उज्जैन
शुक्रवार
09
अक्टूबर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-336
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 ▸ गंदगी के बीच बन रहा था केक, आयुष बेकरी का पंजीयन निलंबित

7 ▸ भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट के लिए 1 लाख आवेदन



नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ पुणे

नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआर दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर पुणे लाया गया, जहां डोंजे गांव में रात को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता जैकी श्रॉफ और निर्देशक अनिल शर्मा भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए और नाना को अंतिम विदाई दी। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।

देश

- **एमपी में** प्रमोशन नियम 2025 पर हाई कोर्ट में चुनौती, 16 अक्टूबर को होगी अहम सुनवाई
- **जबलपुर में नहर** का नक्शा बदलने से 9.30 करोड़ की परियोजना पहुंची 20 करोड़ पर मंत्री के रिश्तेदार को लाभ का आरोप
- **ईशान** इस साल छक्कों की हाफ-सेंचुरी से 1 सिक्स दूर, भारत-वेस्टइंडीज दूसरा टी-20 आज, मयंक की जगह प्रिंस यादव खेल सकते हैं
- **लखनऊ में** बाढ़ से 3 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, बिहार के 18 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट बद्रीनाथ जाने वाले रास्ते पर लैंडस्लाइड, रास्ता बंद
- **कॉकरोच पार्टी** बोली- हमारे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, परिवारवालों को धमकाया, कल जंतर-मंतर में प्रदर्शन, पुलिस ने होटलों की जांच शुरू की

विदेश

- **सऊदी अरब** में एयरपोर्ट पर फिर हमला, दिल्ली से रियाद जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट लौटी भारत की कई उड़ानें रद्द
- **ट्रम्प ने** टाटा-विप्रो को ग्रीन कार्ड प्रोग्राम से सस्पेंड किया, 8 आईटी कंपनियों के खिलाफ एक्शन, अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों पर सीधा असर
- **आज मिलेगा** शांति का नोबेल,ट्रम्प 8 साल से मांग रहे, कनाडा के पीएम दावेदार, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन का नाम भी चर्चा में
- **ट्रम्प ने** मस्क को नेशनल साइंस मेडल से नवाजा

व्यापार

- **अब जीएसटी** अफसर को गिरफ्तारी का अधिकार नहीं, 5 करोड़ से कम की गड़बड़ी पर सिर्फ जुर्माना, 10 हजार से कम की टैक्स चोरी पर नोटिस भी नहीं
- **एअर इंडिया** की इंटरनेशनल उड़ानें 17 हजार तक महंगी

कार्टून..



मध्यप्रदेश में कथित घोटालों की फेहरिस्त, हजारों करोड़ के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग

चावल से लेकर सरकारी बिलों तक अनियमितताओं के दावे, सिंहस्थ की तैयारियों और उज्जैन की जमीन सौदे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल/उज्जैन

मध्यप्रदेश में पिछले ढाई साल के दौरान सामने आए कथित घोटालों और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने सरकारी व्यवस्था की पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में चावल वितरण, मूंग खरीदी, सिंहस्थ की तैयारियों, जल उपचार संयंत्रों, परिवहन योजना, स्वास्थ्य सुविधाओं, सरकारी बिलों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान से जुड़े दस मामलों का उल्लेख किया गया है। इनमें हजारों करोड़ रुपए की कथित अनियमितताओं से लेकर उज्जैन में जमीन की खरीद के दावों तक कई मुद्दे उठाए गए हैं।

प्रत्येक मामले में आरोपों, आधिकारिक जांच, ऑडिट निष्कर्षों और संबंधित पक्षों के जवाब को अलग-अलग देखना जरूरी है। इन दावों ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि सार्वजनिक धन के उपयोग की निगरानी कितनी प्रभावी है और जांच के निष्कर्ष आम लोगों के सामने कब आएंगे।

1. **बच्चों के पोषण के लिए आवंटित चावल कहां पहुंचा?** वीडियो में करीब 1,200 करोड़ रुपए के कथित चावल घोटाले का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि बच्चों के भोजन के लिए आवंटित चावल को निर्धारित लाभार्थियों तक पहुंचाने के बजाय राइस मिलों, एथेनॉल संयंत्रों और खुले बाजार तक पहुंचाया गया। यदि ऐसा हुआ है, तो यह केवल वित्तीय अनियमितता का मामला नहीं, बल्कि बच्चों के पोषण से जुड़ी सरकारी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल होगा। इस मामले में वास्तविक आवंटन, परिवहन रिकॉर्ड, भंडारण, वितरण और चावल की अंतिम खपत का मिलान महत्वपूर्ण होगा। कथित राशि और चावल के दुरुपयोग की सीमा की पुष्टि आधिकारिक दस्तावेजों से होना आवश्यक है।
2. **रायसेन में मूंग खरीदी को लेकर सवाल-** दूसरा मामला रायसेन में मूंग खरीदी से संबंधित बताया गया है। आरोप है कि ऐसी मूंग की खरीदी दिखाई गई, जिसका वास्तविक उत्पादन या उपलब्धता संदिग्ध थी, जबकि सहकारी संस्थाओं के रिकॉर्ड में भुगतान दर्ज कर दिया गया। यदि रिकॉर्ड में दर्ज खरीदी और वास्तविक उपज में अंतर पाया जाता है, तो यह जांचना जरूरी होगा कि भुगतान किसे किया गया, किसानों के पंजीयन और उत्पादन का सत्यापन कैसे हुआ तथा खरीदी केंद्रों पर भौतिक सत्यापन किया गया था या नहीं। इन सवालों का जवाब खरीदी रिकॉर्ड, भुगतान विवरण और जांच रिपोर्ट से ही मिल सकता है।



3. **सिंहस्थ की तैयारियों में पुराने बिजली उपकरण लगाने का आरोप-** उज्जैन में आगामी सिंहस्थ की तैयारियों से जुड़े कार्यों पर भी सवाल उठाए गए हैं। वीडियो में आरोप है कि बिजली के नए खंभे और तार लगाए जाने थे, लेकिन पुराने सामान को नया बताकर इस्तेमाल किया गया और इसके बदले सरकारी राशि का भुगतान किया गया। सिंहस्थ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन में बिजली व्यवस्था की सुरक्षा और विश्वसनीयता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए संबंधित कार्यों के टेंडर, सामग्री की खरीद, गुणवत्ता परीक्षण, स्टॉक रजिस्टर और मौके पर स्थापित उपकरणों का सत्यापन जरूरी है। यदि पुराने सामान को नया दर्शाकर भुगतान लेने का आरोप सही पाया जाता है, तो जिम्मेदारी तय करने और सरकारी धन की संभावित क्षति का आकलन करने की आवश्यकता होगी।
4. **जल उपचार संयंत्रों में ब्रांडेड सामान के नाम पर भुगतान?** वीडियो में करीब 1,200 करोड़ रुपए के कथित स्टिकर घोटाले का भी दावा किया गया है। आरोप है कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में स्थानीय या अन्य श्रेणी के उपकरणों पर ब्रांडेड कंपनियों के स्टिकर लगाकर उन्हें निर्धारित ब्रांड का सामान दर्शाया गया और उसी आधार पर भुगतान लिया गया। इस तरह के आरोपों की जांच के लिए तकनीकी विनिर्देश, खरीद आदेश, बिल, निमार्ता की जानकारी, गुणवत्ता प्रमाणपत्र और संयंत्रों में स्थापित उपकरणों का स्वतंत्र परीक्षण आवश्यक होगा। केवल स्टिकर या ब्रांडिंग के आधार पर अनियमितता का निष्कर्ष निकालने के बजाय यह स्थापित करना होगा कि खरीदे गए सामान की वास्तविक गुणवत्ता और कीमत निर्धारित शर्तों के अनुरूप थी या नहीं।
5. **सुगम परिवहन योजना में पुरानी बसों के इस्तेमाल का दावा-** सुगम परिवहन योजना को लेकर आरोप लगाया गया है कि नई बसें चलाने के उद्देश्य के बावजूद आधे से अधिक पुरानी बसों पर स्टिकर लगाकर उन्हें योजना के तहत संचालित किया गया। इस मामले में यह देखना जरूरी होगा कि योजना की वास्तविक शर्तें क्या थीं, बसों की आयु और स्थिति के संबंध में क्या प्रावधान थे तथा भुगतान किस आधार पर किया गया। बसों की सूची, पंजीयन प्रमाणपत्र, अनुबंध और परिचालन रिकॉर्ड के परीक्षण से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि नियमों का उल्लंघन हुआ या योजना के तहत निर्धारित शर्तों के अनुरूप वाहन लगाए गए।
6. **इंदौर के खजराना में अस्पताल केवल फाइलों में होने का आरोप-** वीडियो में इंदौर के खजराना क्षेत्र से जुड़ा एक मामला भी उठाया गया है। दावा है कि अस्पताल के लिए उपकरणों की खरीद, पदस्थापना और अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित प्रक्रिया पूरी दिखाई गई, लेकिन अस्पताल वास्तव में जमीन पर मौजूद नहीं था। यदि ऐसा हुआ है, तो यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि अस्पताल के निर्माण के लिए भूमि आवंटन, प्रशासनिक स्वीकृति, बजट, उपकरणों की खरीद और कर्मचारियों की नियुक्ति किस आधार पर की गई। संबंधित परियोजना की भौतिक स्थिति और भुगतान के रिकॉर्ड का मिलान किए बिना आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकती।
7. **केग की रिपोर्ट और करीब 6,000 करोड़ रुपए के खर्च पर सवाल-** वीडियो में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (केग) से संबंधित करीब 6,000 करोड़ रुपए के खर्च का उल्लेख करते हुए बिलों और रिकॉर्ड को लेकर सवाल उठाए गए हैं। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। ऑडिट रिपोर्ट में खर्च के दस्तावेजों की कमी, नियमों के उल्लंघन, वित्तीय प्रबंधन की खामियों या अन्य आपत्तियों का उल्लेख होना अपने आप में पूरी राशि के घोटाले का प्रमाण नहीं होता। संबंधित केग रिपोर्ट, वित्तीय वर्ष, विभाग और आपत्तियों की प्रकृति का स्पष्ट उल्लेख आवश्यक है। यदि खर्च के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे, तो विभागों से जवाब, अतिरिक्त रिकॉर्ड और अनुपालन रिपोर्ट मांगी जा सकती है। असल सवाल यह है कि ऑडिट में दर्ज आपत्तियों पर क्या कार्रवाई हुई और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची।
8. **करीब 600 करोड़ रुपए के कथित फर्जी बिल-** एक अन्य आरोप में करीब 600 करोड़ रुपए के फर्जी बिलों के जरिए सरकारी धन निकालने और उसे अधिकारियों के परिवार या रिश्तेदारों के खातों में स्थानांतरित करने का दावा किया गया है। इस प्रकार के मामले में बिल जारी करने वाली संस्थाओं, भुगतान स्वीकृत करने वाले अधिकारियों, बैंक लेनदेन और वास्तविक आपूर्ति या सेवा के प्रमाणों की जांच जरूरी है। यदि फर्जी बिल और अनुचित भुगतान प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित लोगों की भूमिका और धन के अंतिम लाभार्थियों की पहचान जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। फिलहाल इस दावे की राशि और विवरण की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।
9. **करीब 50 हजार कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर दावा-** वीडियो में लगभग 50 हजार ऐसे कर्मचारियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनके नाम पर हर महीने वेतन निकलने, लेकिन उनके वास्तविक रूप से मौजूद नहीं होने का आरोप है। यदि सरकारी रिकॉर्ड में ऐसे कर्मचारी पाए जाते हैं जो वास्तव में नियुक्त नहीं थे या काम नहीं कर रहे थे, तो यह गंभीर प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितता हो सकती है। लेकिन इस दावे को प्रमाणित करने के लिए कर्मचारियों की सूची, नियुक्ति आदेश, उपस्थिति रिकॉर्ड, सेवा पुस्तिका, वेतन भुगतान और विभागीय सत्यापन के दस्तावेज आवश्यक हैं। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि संख्या किस अवधि, विभाग या जांच से संबंधित है।
10. **उज्जैन में 168 एकड़ जमीन की खरीद को लेकर चर्चा-** वीडियो में सबसे संवेदनशील मुद्दा उज्जैन में जमीन की खरीद से जुड़ा है। इसमें इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के परिवार और उनसे संबंधित बताई गई रियल एस्टेट कंपनियों ने उज्जैन में 137 भूखंडों और कुल 168 एकड़ जमीन की खरीद करीब 45 करोड़ रुपए में की। दावे के अनुसार, इनमें से लगभग 111 एकड़ जमीन उन क्षेत्रों के आसपास थी, जहां बाद में सड़क या हाईवे परियोजनाएं सामने आईं। यदि इस विवरण की पुष्टि होती है, तो जमीन की खरीद की तारीख, स्वामित्व, वास्तविक भुगतान, संबंधित कंपनियों से संबंध और सरकारी परियोजनाओं की घोषणा व क्रियान्वयन की समयरेखा की पड़ताल महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, जमीन खरीदना या किसी परियोजना के आसपास संपत्ति का होना अपने आप में भ्रष्टाचार का प्रमाण नहीं है। किसी भी अनुचित लाभ या हितों के टकराव का निष्कर्ष निकालने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य और संबंधित पक्षों का जवाब आवश्यक है। इस मामले में मूल समाचार रिपोर्ट, भूमि पंजीयन रिकॉर्ड और संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया के आधार पर ही दावों की पुष्टि की जानी चाहिए।

असली सवालः आरोपों की जांच और जवाबदेही कब?

- इन दस मामलों में उठाए गए आरोप अलग-अलग विभागों, योजनाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से संबंधित हैं। इनकी प्रकृति और प्रमाणों की स्थिति भी एक जैसी नहीं है। इसलिए सभी को एक ही श्रेणी में रखकर निष्कर्ष निकालने के बजाय प्रत्येक मामले की स्वतंत्र और दस्तावेज आधारित जांच जरूरी है।
- सरकार और संबंधित विभागों को चाहिए कि वे जांच की स्थिति, ऑडिट आपत्तियों पर की गई कार्रवाई, दोषियों के विरुद्ध उठाए गए कदम और सरकारी धन की संभावित क्षति से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करें। वहीं, जांच एजेंसियों को आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल कर प्रमाण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए।
- लोकतंत्र में सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन आरोपों को प्रमाणित तथ्य मान लेना उचित नहीं। यदि आरोप सही हैं तो जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए, और यदि आरोप गलत या भ्रामक हैं तो दस्तावेजों के आधार पर सच्चाई सामने आनी चाहिए। मध्यप्रदेश में सार्वजनिक धन के उपयोग और प्रशासनिक पारदर्शिता पर उठे सवालों का जवाब राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि विश्वसनीय जांच और सार्वजनिक रिकॉर्ड से मिलना चाहिए।

उज्जैन पीडब्ल्यूडी की पदस्थापनाओं पर विवाद, नियमों के पालन को लेकर शासन से जवाब मांगने की तैयारी

उच्च पदों का प्रभार देने की प्रक्रिया पर उठे सवाल, विभागीय जांच और पदोन्नति से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की मांग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

लोक निर्माण विभाग में पद और प्रभार का बंटवारा अब शिकायतों के घेरे में है। उज्जैन के भवन एवं पथ संभाग में अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर उठे सवालों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर बहस छेड़ दी है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उच्च पदों का प्रभार देने में निर्धारित मापदंडों की अनदेखी की गई और पात्रता रखने वाले नियमित अधिकारियों को अवसर नहीं दिया गया। शिकायत में कुछ अधिकारियों के विरुद्ध कथित तौर पर लंबित विभागीय जांच तथा लोकायुक्त और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जुड़े मामलों का भी उल्लेख किया गया है। इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

पात्र अधिकारियों को प्रभार क्यों नहीं- शिकायत में जतिन चुड़ावत, सूरज झारिया और अरमेंद्र सिंह को कार्यपालन यंत्री पद के लिए योग्यता रखने वाले नियमित अधिकारियों के रूप में उल्लेखित किया गया है। शिकायतकर्ता का सवाल है कि जब विभाग में योग्य अधिकारी उपलब्ध हैं, तो उज्जैन में प्रभारी कार्यपालन यंत्री की जिम्मेदारी तय करने के दौरान किन आधारों पर निर्णय लिया गया। इस संबंध में पदस्थापना आदेशों और अधिकारियों की पात्रता के रिकॉर्ड की जांच की मांग की गई है।

विभागीय निर्देशों के पालन पर उठे सवाल- मामले में 17 जुलाई 2025 को जारी उच्च पद का प्रभार देने संबंधी विभागीय निर्देशों का हवाला दिया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, निर्देशों में प्रभार सौंपने से पहले संबंधित अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच, लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, सीटी अथवा अन्य सतर्कता एजेंसियों की कार्रवाई और गंभीर वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी जांच की स्थिति पर विचार करने की बात कही गई है। ऐसे में मुख्य सवाल यह है कि उज्जैन में संबंधित पदों पर नियुक्ति करते समय इन निर्देशों का पालन किस तरह किया गया। इसका जवाब पदस्थापना संबंधी फाइलों, पात्रता परीक्षण और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध लंबित मामलों के आधिकारिक रिकॉर्ड से ही सामने आ सकता है।



हाईकोर्ट में दिए गए जवाब का भी उल्लेख

शिकायतकर्ता ने जबलपुर स्थित मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में दायर एक याचिका का हवाला देते हुए कहा है कि प्रभारी कार्यपालन यंत्री की पदस्थापना के मामले में विभाग के प्रमुख सचिव और प्रमुख अभियंता से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर शपथपत्र के साथ स्पष्टीकरण देने को कहा गया था। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि न्यायालय में विभाग की ओर से दोषी प्रभारी अधिकारियों को हटाए जाने की जानकारी दी गई थी। हालांकि, इस मामले में न्यायालय के वास्तविक आदेश, विभाग की ओर से प्रस्तुत शपथपत्र और उसके बाद जारी पदस्थापना आदेशों का परीक्षण किए बिना यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि न्यायालय के समक्ष दिए गए जवाब और बाद की कार्रवाई में कोई विरोधाभास है।

पदोन्नति प्रक्रिया पर भी आपत्ति

शिकायत में 31 जुलाई 2026 को हुई पदोन्नति प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता से कनिष्ठ कर्मचारियों को लाभ मिला। पदोन्नति के बाद की पदस्थापनाओं पर भी आपत्ति दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता ने वरिष्ठता, पात्रता और पदस्थापना के आधारों की जांच कराने की मांग की है। यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित पदों के लिए निर्धारित सेवा शर्तें क्या थीं, पदोन्नति में किन नियमों को अपनाया गया और निर्णय लेते समय वरिष्ठता एवं पात्रता का किस प्रकार मूल्यांकन किया गया।

अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री की नियुक्तियों पर आपत्ति

शिकायत में उज्जैन में पदस्थ संभागीय अधीक्षण यंत्री गणेश पटेल तथा भवन एवं पथ संभाग के कार्यपालन यंत्री अजय यादव को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने दोनों अधिकारियों के संबंध में विभागीय जांच और भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों से जुड़े कथित लंबित प्रकरणों का उल्लेख करते हुए उनकी पदस्थापना की समीक्षा की मांग की है। इन दावों की पुष्टि के लिए संबंधित जांचों की वर्तमान स्थिति, प्रकरणों के आधिकारिक विवरण और पदस्थापना के समय लागू विभागीय नियमों की पड़ताल आवश्यक है। केवल शिकायत में नाम आने से किसी अधिकारी के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं माने जा सकते।

शासन के सामने जांच के ये बिंदु

शिकायतकर्ता ने शासन से उज्जैन पीडब्ल्यूडी में उच्च पदों के प्रभार, नियमित पदस्थापना, पदोन्नति और अधिकारियों की पात्रता से जुड़े रिकॉर्ड की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। साथ ही यह पता लगाने की मांग की गई है कि प्रभार सौंपने वाले अधिकारियों के सामने संबंधित जांचों की जानकारी उपलब्ध थी या नहीं और निर्णय लेते समय 17 जुलाई 2025 के निर्देशों का पालन किया गया था या नहीं। शिकायत में मुख्य अभियंता कार्यालय में अटैच कार्यपालन यंत्री को उज्जैन संभाग में पदस्थ करने तथा नियमों के अनुसार पात्र नियमित अधिकारियों को प्राथमिकता देने की मांग भी की गई है।

अब विभागीय रिकॉर्ड पर टिकी निगाहें: पूरे मामले में निर्णायक तथ्य शिकायतों से अधिक पदस्थापना आदेशों, सेवा अभिलेखों, विभागीय निर्देशों और न्यायालयीन दस्तावेजों से सामने आएंगे। शासन और विभाग की ओर से इस संबंध में आधिकारिक स्पष्टीकरण तथा संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आने पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पदस्थापना प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ है या निर्णय निर्धारित प्रशासनिक प्रक्रिया के अनुरूप लिए गए थे।

मस्क को राहुल गांधी ने कहा

दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

इलॉन मस्क ने भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने गुरुवार को एक्स पर लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के हर कानून और जरूरी शर्त का पालन कर रही है। इसके बावजूद उसे भारत में सेवा शुरू करने का लाइसेंस क्यों नहीं मिला है? क्या अंबानी देश के रियल बॉस हैं? मस्क के इस सवाल पर राहुल गांधी ने जवाब दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा- भारत में आपका स्वागत है, इलॉन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए। राहुल गांधी के जवाब पर इलॉन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा- धन्यवाद, राहुल। यह वाकई परेशान करने वाला है।

चतुर्दशी पर सिद्धवट और गयाकोठा तीर्थ पर तर्पण के लिए उमड़ी भीड़

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्राद्ध पक्ष की चतुर्दशी पर आज धार्मिक नगरी उज्जैन में पितृकर्म के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्री सिद्धवट और अंकपात स्थित गयाकोठा तीर्थ पर दूध अर्पित करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगना शुरू हो गई। देशभर से आने वाले श्रद्धालु शिप्रा नदी में स्नान कर अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करेंगे। रामघाट सहित शिप्रा के अन्य घाटों पर भी धार्मिक अनुष्ठान होंगे। चतुर्दशी पर सिद्धवट पर दूध अर्पित करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। मान्यता है कि यहां विधि-विधान से पूजन और दुग्धाभिषेक करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है। इसी विश्वास के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु सिद्धवट पहुंचते हैं।

महाकाल श्रृंगार



बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन, भस्म अर्पित कर राजा स्वरूप में श्रृंगार

अपनेतक

जयपुर में स्क्रब टाइफस से 15 मौतों का दावा, उज्जैन में भी सतर्कता जरूरी

तेज बुखार को सामान्य समझकर न करें अनदेखी, स्वास्थ्य विभाग को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत

जयपुर में स्क्रब टाइफस बीमारी से 15 लोगों की मौत होने के दावे ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। सामने आए आंकड़ों के अनुसार, जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में जुलाई से सितंबर के बीच स्क्रब टाइफस के 339 मरीज सामने आए, जबकि इस अवधि में 15 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इनमें सितंबर महीने में ही 9 मौतें दर्ज होने का दावा है। ये आंकड़े बीमारी की गंभीरता और समय पर पहचान व उपचार की जरूरत की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। ऐसे में उज्जैन में भी लोगों को सतर्क रहने और बीमारी के लक्षणों के प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

स्क्रब टाइफस एक संक्रमणजनित बीमारी है, जो संक्रमित लार्वा माइट यानी छोटे परजीवी के काटने से फैलती है। ये परजीवी आमतौर पर झाड़ियों, ऊंची घास और वनस्पति वाले क्षेत्रों में पाए जा सकते हैं। खेतों, बगीचों और ऐसे स्थानों पर काम करने या जाने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। कई बार बीमारी के शुरूआती लक्षण सामान्य वायरल बुखार जैसे दिखाई देते हैं, जिसके कारण लोग समय पर चिकित्सकीय सलाह नहीं लेते। उपचार में देरी होने पर संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। स्क्रब टाइफस के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, शरीर पर दाने और अत्यधिक कमजोरी शामिल हो सकते हैं। कुछ मरीजों में माइट के काटने वाली जगह पर काला पपड़ीदार निशान भी दिखाई दे सकता है, हालांकि यह हर मरीज में मौजूद नहीं होता। यदि बुखार लगातार बना रहे या उसके साथ अन्य लक्षण दिखाई दें, तो स्वयं दवा लेने के बजाय डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। समय पर जांच और उचित एंटीबायोटिक उपचार से गंभीर जटिलताओं का खतरा कम किया जा सकता है। जयपुर में सामने आए मामलों के मद्देनजर उज्जैन में भी स्वास्थ्य विभाग को एहतियाती कदम उठाने चाहिए। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से डॉक्टरों तथा स्वास्थ्यकर्मियों को बीमारी के लक्षणों के प्रति सतर्क रखने के साथ आम लोगों को भी जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों और झाड़ियों के आसपास रहने वाले लोगों को बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करना जरूरी है। झाड़ियों और ऊंची घास वाले क्षेत्रों में जाते समय शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। घास या जमीन पर सीधे बैठने से बचें तथा घर लौटने के बाद शरीर और कपड़ों की जांच करें। बुखार या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लें। स्क्रब टाइफस का समय पर उपचार संभव है, इसलिए लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। फिलहाल जयपुर के बताए गए आंकड़ों को स्थानीय स्वास्थ्य विभाग या अस्पताल के आधिकारिक विवरण से सत्यापित करना जरूरी है। उज्जैन में बीमारी के मामलों की पुष्टि के बिना किसी तरह की आशंका फैलाने के बजाय जागरूकता, समय पर जांच और सतर्कता पर जोर दिया जाना चाहिए। बीमारी गंभीर होने के बाद कदम उठाने के बजाय पहले से जागरूक रहना ही लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा का बेहतर रास्ता है।

ज्यादातर टिकट काउंटर बंद, ई काउंटर पर तख्ती लगी मिलती है खिडकी बंद है

उज्जैन रेलवे स्टेशन बाहर से चकाचक, अंदर हाल- बेहाल



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

तीर्थनगरी धीरे धीरे पर्यटन नगरी मे परिवर्तित हो रही है और बाहर से आने वाले यात्रियों का दबाव बढता ही जा रहा है। किसी जमाने मे छोटा सा रेलवे स्टेशन था उज्जैन और बहुत कम यात्री ही स्टेशन पर नजर आते थे। वक्त ने करवट ली और शहर ने पर्यटन के क्षेत्र मे अपनी अलग पहचान बना ली जिससे रेलवे स्टेशन पूरे समय यात्रियों से गुलजार नजर आता है। विडंबना ही कही जा सकती है कि रेलवे को तीर्थनगरी से राजस्व मे तो अच्छा इजाफा हो रहा है बावजूद इसके यात्रियों की सुविधाओं मे कोई सुधार होता नहीं दिख रहा।

महाकालेश्वर व अन्य मंदिरों के दर्शन हेतु वर्षभर ही देश विदेश के हजारों और पर्व के दौरान लाखों श्रद्धालु विभिन्न ट्रेनों से उज्जैन पहुंचते हैं और वापस गंतव्य की ओर रवाना होते हैं । इस दौरान स्टेशन के अंदर चंद ही टिकट काउंटर कार्यशील होते हैं बाकी कई काउंटर पर तख्ती लगी मिलती है खिडकी बंद है। आश्चर्य का विषय है कि मुख्य स्टेशन वाली साइड लगभग सात से आठ सामान्य टिकट के काउंटर हैं पर सिर्फ दो या तीन ही चालू रहते हैं। ऐसे मे इन काउंटर पर लंबी कतार लगी होती है और भीड के कारण कुछ यात्रियों की प्रतिदिन ट्रेन छूट रही हैं क्योंकि वे टिकट हो नहीं खरीद पा रहे हैं।

फ्रीगंज साइड सिर्फ एक काउंटर

रेल्वे प्लेटफार्म नं आठ की तरफ यानी नए क्षेत्र फ्रीगंज साइड की स्थिति तो और अधिक खराब है। फ्रीगंज और आसपास ढेर सारी कालोनियों का विकास व विस्तार होने से स्टेशन के इस ओर यात्रियों का भारी दबाव होता है पर स्टेशन के अंदर यहां सिर्फ एक ही टिकट काउंटर चालू है। ऐसे मे निर्धारित समय पर टिकट न खरीद पाने से प्रतिदिन कई यात्री यात्रा से वंचित हो रहे हैं।

आटोमेटिक टिकट वैंडिग मशीन भी खराब

स्टेशन पर जोरशोर से आटोमेटिक टिकट वैंडिग मशीन लगाई गई थी और इसका प्रचार भी जोरदार ढंग से किया गया था कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान मे रखकर मशीन सेवा उपलब्ध रहेगी जहां निर्धारित टिकट राशि अदा करने पर टिकट आटोमेटिक आ जाएगा किन्तु यथार्थ मे ये सुविधा यात्रियों को मिल ही नहीं पा रही है आए दिन मशीन मे तकनीकी खराबी आ जाने से ये बंद ही रहती हैं।

आटोमेटिक पेयजल मशीन भी बंद

रेल्वे स्टेशन को सुन्दर रूप तो दिया जा रहा है पर सुविधाओं को देखें तो नतीजा सिफर ही दिखता है। एक नंबर प्लेटफार्म पर यात्रियों को ठंडा पेयजल मुहैया कराने के लिए आटोमेटिक जल वैंडिग मशीन लगाई गई जो प्रायः बंद ही रहती है। स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों के यात्री बडी उम्मीदों के साथ स्टेशन पर पानी की चाह मे मशीनों की ओर लपकते हैं किन्तु जब वहां बंद की तख्ती देखते हैं तो उम्मीदों पर पानी फिर जाता है।

कुत्ते व मवेशियों का जमावड़ा

भोलेनाथ की नगरी मे पशु हर स्थान पर आमद देते हैं तो रेल्वे स्टेशन कैसे छूट सकता है। गौरतलब है कि स्टेशन पर जगह जगह कैमरे भी लगे हैं फिर भी रेल्वे कर्मचारी इन पशुओं को अनदेखा करते रहते हैं और,यात्री प्लेटफार्म पर स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं। कई बार भोजन को लेकर कुत्ते लडते भी हैं और क्रुद्ध होकर दौडते रहते हैं। अधिकारियों को शीघ्र संज्ञान लेकर यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं मुहैया कराना चाहिए ताकि पर्यटक एक अच्छी याद लेकर लौटें।

58वीं एशियाई बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में उज्जैन के अफराज ने जीता स्वर्ण पदक

बैंकॉक में तिरंगा फहराकर बढ़ाया देश का मान स्वस्थ संसार जिम में हुआ सम्मान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

58वीं एशियाई बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में उज्जैन के बॉडीबिल्डर अफराज इर्शाद खान ने स्वर्ण पदक जीतकर शहर और देश का मान बढ़ाया है। बैंकॉक में आयोजित प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर उन्होंने तिरंगा फहराया। इस विशेष उपलब्धि पर स्वस्थ संसार जिम में अफराज खान का विशिष्ट खेल अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने उन्हें आकर्षक मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।

लक्ष्य के लिए अर्जुन जैसा पराक्रमी बनना जरूरी

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल रहे और अध्यक्षता बॉडीबिल्डिंग संघ के अध्यक्ष प्रेम सिंह यादव ने की। जगदीश अग्रवाल ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा राष्ट्र की शक्ति के पावर हाउस हैं। भारत के युवाओं में खेल, कला, संस्कृति, पेंटिंग और नृत्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की अद्भुत क्षमता है। लक्ष्य हासिल करने के लिए युवाओं को अभिमन्यु और अर्जुन जैसा पराक्रमी बनना होगा। उज्जैन लगातार विभिन्न खेलों में पदक जीतकर जो गौरव बढ़ा रहा है वह बेहद प्रेरणादायक है। कार्यक्रम का संचालन बॉडीबिल्डिंग के राष्ट्रीय निर्णायक शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके ने किया। अतिथियों का स्वागत जिला पावरलिफ्टिंग संगठन के अध्यक्ष जय यादव, शोएब और विजय त्रिवेदी ने किया।

कोयला फाटक से कंठाल होते हुए सतीगेट तक नालियों पर बने ओटले, ब्लॉक और चढ़ाव हटाए

चौड़ीकरण वाले मार्गों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं, नगर निगम ने चलाया बुलडोजर...







ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और चौड़ीकरण वाले मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर शुक्रवार को कोयला फाटक से कंठाल होते हुए सतीगेट तक नालियों के ऊपर किए गए अवैध निमार्णों को जेसीबी की मदद से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान नालियों पर बनाए गए ओटले, ब्लॉक और चढ़ाव ध्वस्त किए गए। नगर निगम का कहना है कि शहर के जिन प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण किया जा चुका है, वहां दोबारा अतिक्रमण कर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने रिमूवल गैंग को ऐसे मार्गों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित निर्माण हटाने के साथ जब्ती और जुमार्ने की कार्रवाई करने को कहा है। शहर में प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण का उद्देश्य यातायात को सुगम बनाना और राहगीरों को पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना है। लेकिन सड़क किनारे और नालियों के ऊपर किए गए निमार्णों से आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में नगर निगम की कार्रवाई के साथ यह भी जरूरी है कि हटाए गए अतिक्रमण दोबारा न हों। इसके लिए नियमित निगरानी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर निरंतर कार्रवाई अहम होगी।

151 स्थानों पर होगा 31 हजार कन्याओं का पूजन

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के नेतृत्व में रचेगा नया इतिहास

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



धार्मिक नगरी उज्जैन में 17 अक्टूबर को नवरात्र पर्व के अवसर पर एक भव्य और ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। उज्जैन उत्तर से विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने बताया कि 'लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव महाआयोजन समिति' के तत्वावधान में शहर के 151 स्थानों पर एक साथ 31 हजार कन्याओं का पूजन किया जाएगा। इस वृहद महायज्ञ को सफल बनाने के लिए करीब 5 हजार कार्यकर्ता दिन-रात जुटे हुए हैं। सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए हर पूजन स्थल पर 30 प्रबुद्धजनों (डॉक्टर, वकील, किसान व संगठन प्रमुख) को अतिथि बनाया गया है। सुबह 9:30 बजे से शुरू होने वाले इस भव्य आयोजन के साक्षी शहर के करीब डेढ़ लाख लोग बनेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 18 अक्टूबर को उज्जैन आगमन प्रस्तावित है।

10 अक्टूबर को होगी जिला स्तरीय पंजा कुश्ती

उज्जैन। क्षेत्र के प्रतिष्ठित पहलवान स्व. चुन्नी पहलवान यादव और स्व. कमल पहलवान यादव की स्मृति में 10 अक्टूबर 2026 को जिला स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता मध्य प्रदेश पंजा कुश्ती संघ भोपाल के मार्गदर्शन और उज्जैन जिला पंजा कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। संघ के अध्यक्ष गोपाल यादव और सचिव प्रतीक सिंह तोमर ने बताया कि इस रोमांचक प्रतियोगिता में उज्जैन जिले के महिला और पुरुष खिलाड़ी विभिन्न भार वर्गों के तहत कड़े मुकाबलों में अपनी ताकत व कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना।

शिव महापुराण कथा का 12 ज्योतिर्लिंगों के वर्णन के साथ समापन

पितृ मोक्ष हेतु 108 नर्मदेश्वर शिवलिंगों का रुद्राभिषेक व हवन संपन्न, डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते ने की पूर्णाहुति

सांसद डॉ कुलस्ते ने की प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



पितृ मोक्ष हेतु दुर्गा सशक्त भाव वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 5 दिनों तक 108 नर्मदेश्वर शिवलिंगों का रुद्राभिषेक और हवन किया गया। इस पांच दिवसीय पवित्र अनुष्ठान की पूर्णाहुति सांसद डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा की गई। इसके साथ ही आयोजित शिव महापुराण कथा का समापन 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा के वर्णन के साथ हुआ। समापन अवसर पर संत बब्बर नाथ महाराज ने उपस्थित जनों को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में मंडला सांसद डॉ फग्गन सिंह कुलस्ते सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आयोजन को सफल बनाने में समिति की अध्यक्ष दुर्गेश नंदिनी शर्मा, उपाध्यक्ष नीलू जैन, सचिव डॉ दीपा बजाज, उपसचिव रुपाली शर्मा और कोषाध्यक्ष भावना जोशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि सांसद डॉ फग्गन सिंह कुलस्ते ने उज्जैन की पवित्रता और धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा की। डॉ कुलस्ते ने दुर्गा सशक्त भाव वेलफेयर सोसाइटी की जनहितैषी और धार्मिक गतिविधियों की भी सराहना की। कथा व्यास ज्योतिषाचार्य पं. अजय शंकर तिवारी ने अपनी कथा में 12 ज्योतिर्लिंगों का विस्तृत वर्णन कर श्रद्धालुओं को शिव भक्ति से सराबोर कर दिया। कथा के अंतिम दिन आनंद सिंह खींची और उनकी टीम ने श्रद्धालुओं को अभिमंत्रित रुद्राक्ष और शिव चालीसा का वितरण किया।

नटसम्राट नाना पाटेकर को दी श्रद्धांजलि

उज्जैन। समाजसेवी मिलिंद पन्हाळकर और अन्य नागरिकों ने नटसम्राट नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। मिलिंद पन्हाळकर ने पुरानी स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि इंदौर स्थित बीएसएफ रेवती रेंज में आयोजित शूटिंग स्पर्धा में नाना पाटेकर लगातार पांच साल आए थे। इस दौरान पन्हाळकर परिवार ने उनसे मुलाकात की थी। पन्हाळकर ने खुद का परिचय गुप्त विभाग के अधिकारी के रूप में दिया था। इस पर नाना पाटेकर ने उनकी पर्सनालिटी की तारीफ करते हुए उन्हें तोंद कम करने की सलाह दी थी। नाना पाटेकर ने पन्हाळकर परिवार का स्वागत कर उन्हें चाय-नाश्ता भी करवाया था। मिलिंद पन्हाळकर ने स्वर संवाद द्वारा प्रस्तुत नटसम्राट के कार्ड पर नाना पाटेकर का फोटो प्रकाशित किया था। पन्हाळकर इसी कार्ड पर उनका ऑटोग्राफ लेना चाहते थे।

केंचुआ खाद लिख रही सफलता की इबारत, जिले के किसान अपना रहे वर्मिकल्चर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन (पं राहुल शुक्ल)







उज्जैन। पारंपरिक खेती करनेवाले कृषक बहुत मुश्किल से ही किसी नई तकनीक को अपनाते रहे हैं किन्तु विगत कुछ वर्षो में कृषि क्षेत्र की स्थितियों में परिवर्तन देखने को मिला है। आज के युवा काश्तकार नवप्रवर्तन की ओर रूख कर रहे हैं जिसके परिणाम भी सुखद मिल रहे हैं। जिले के बहुत सी किसान शासन द्वारा स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र से जुडे हुए हैं और समय समय पर आयोजित प्रशिक्षण के शार्ट टर्म कोर्सेस मे रूचि भी ले रहे हैं। नवप्रवर्तन की कृषि तकनीक केंचुआ पालन व केंचुआ खाद , प्राकृतिक तरीके से मिट्टी को उपजाऊ बनाने की सफलतम तकनीक सिद्ध हुई है। केंचुए बहुत तेजी से मिट्टी को खोखली करके सुरंग निर्मित करते हैं जिससे पौधे की जड तक पानी आसानी से पहुंचता है और पौधे की वृद्धि अच्छे से होती है। दूसरा केंचुआ गोबर व अपशिष्ट पदार्थों को खाते हुए विष्टा छोडते हैं जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है।

केंचुए की बहुत सी प्रजाति होती हैं किन्तु हरेक प्रजाति मिट्टी को उपजाऊ बनाने मे उपयोगी नहीं होती है। वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा कृषिपयोगी कुछ प्रजाति हैं रेड विगलर (ऐसेनिया फेटिडा), इंडियन ब्लूवार्म (पेरिओनिक्स एक्सकेवेटस) व अफ्रीकन नाइटक्रालर (यूड्रिलस यूगनिआ)। वातावरण के तापमान ,मिट्टी की नमी और अनुकूलता के आधार पर केंचुए का चयन करके केंचुआ खाद बनाना या वर्मीकल्चर किया जाता है।

केंचुआ खाद एक प्राकृतिक खाद है जिसमे किसी प्रकार के रसायन नहीं होते। लगातार यूरिया व रासायनिक उर्वरक से खेत की मिट्टी कुछ वर्षों में बंजर हो जाती है। ये पीडा भुगतने के बाद अब जिले के युवा किसानों की रूचि वर्मीकल्चर की ओर हुई है जो धीरे धीरे कृषि उत्पादन भी बढा रही है और मिट्टी की उर्वरा- शक्ति का ह्रास भी नहीं हो रहा है।

केंचुआ खाद (वर्मिकम्पोस्ट) के लाभ

उत्तम जैविक खाद , मिट्टी की गुणवत्ता मे सुधार, मिट्टी भुरभुरी होने से पौधे की जड तक उचित वायु संचार, मिट्टी की पानी सोंखने की क्षमता मे वृद्धि, सभी पोषक तत्व जैसे नाइट्रेट, फास्फोरस व पोटेशियम मौजूद, उत्पादकता वृद्धि 25 से 200% तक।, पौधे की रोगप्रतिरोधक क्षमता मे इजाफा। पशुपालन या डेरी फार्म में गोबर का उचित समायोजन करके केंचुआ खाद बनाना बहुत लाभकारी है। हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन एक महत्वपूर्ण व्यवसाय है। गोबर खाद से ज्यादा लाभकारी है वमीकंपोस्ट।

कैसे बनाएं केंचुआ खाद

केंचुआ खाद बनाना काफी आसान है। खेत मे ही एक स्थान पर लगभग सवा से डेढ फिट गहराई का एक आयताकार गड्ढा बनाया जाता है। इसके आधार को सीमेंट से प्लास्टर कर देते हैं या पॉलीथिन की शीट भी बिछा सकते हैं। इसमे गोबर की परत छः से 9 इंच मोटाई की बिछा देना चाहिए। इसके अंदर कुछ जलीय पौधे जैसे जलकुम्भी आदि भी डाल देना चाहिये ताकि नमी बनी रहे। इसमे सब्जी व फल के छिलके, फूल आदि भी डाल सकते हैं। जिले की जलवायु व आवहवा के अनुकूल सबसे अच्छी प्रजाति अफ्रीकन नाइट क्रालर केंचुआ है जो प्राकृतिक अपशिष्ट का तेजी से विघटन करके उसे पोषक खाद मे परिवर्तित कर देता है। इसकी विशेषता है कि ये थोडे गर्म तापमान को बर्दाश्त कर लेता है। अफ्रीकन नाइट क्रालर की बढोत्तरी भी तेजी से होती है। वर्मीकल्चर हेतु तैयार गड्ढे मे केंचुआ लाकर छोड देते हैं थोडे दिनों बाद ही ढेर सारे केंचुए पनप जाते हैं और सुरंग बनाकर भुरभुरी जैविक खाद तैयार कर देते हैं। इसे छानकर खेत मे डालना चाहिए। जरूरत से ज्यादा केंचुआ खाद उत्पादित होने पर किसान इसको विक्रय करके भी मुनाफा प्राप्त करता है।

डॉ ए के दीक्षित , निदेशक
कृषि विज्ञान केन्द्र , उज्जैन व आगर।

फूल व सब्जी उत्पादन मे डेढ गुना इजाफा

वमीकंपोस्ट , मेरे लिए तो लाभ का सौदा साबित हुआ है। रासायनिक उर्वरकों से परेशान होकर विगत वर्ष से जैविक खेती का संकल्प लिया और परिवार के मवेशियों के गोबर से वर्मीकल्चर शुरू किया और सफलता मिली। केंचुआ खाद डालने से फूल के उत्पादन मे डेढ गुना और सब्जी उत्पादन मे लगभग दोगुनी बढोत्तरी हुई है। एक बिघा जमीन मे लगभग डेढ क्विंटल केंचुआ खाद मैने डाली थी।

दिनेश सोलंकी,
युवा कृषक , ग्राम रूई।

उज्जैन
शुक्रवार
09
अक्टूबर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालों ने पाठितः।।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा।।

अर्थः जो माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षित नहीं करते हैं, माता शत्रु के समान होती है और पिता शत्रु के समान, ऐसा व्यक्ति हंसी के बीच बगुले की तरह विद्वानों के जमावड़े को नहीं शोभा पाता है।

खबर एक नजर...

0001 नंबर तीन साल बाद फिर 5 लाख के पार, 5.63 लाख में बिका

इंदौर। आरटीओ में वीआईपी नंबरों का क्रेज एक बार फिर सामने आया है। 0001 नंबर तीन साल बाद फिर 5 लाख रुपए का आंकड़ा पार कर गया। गुरुवार को एमपी-09 इ सीरीज के इस प्रीमियम नंबर के लिए हुई ई-नीलामी में बोली 5.63 लाख रुपए तक पहुंची। एक लाख रुपए के बेस प्राइस वाले इस नंबर के लिए चार दावेदार मैदान में थे। बोली शुरू होने के बाद दावेदारों के बीच मुकाबला बढ़ता गया और आखिरकार नंबर 5.63 लाख रुपए में बिका। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार करीब तीन साल बाद इसकी कीमत फिर 5 लाख रुपए के पार पहुंची है। यह नंबर इस दौरान बेस प्राइस से लेकर साढ़े चार लाख रुपए तक में बिका था। इसके अलावा खास बात यह भी है कि श्राद्धपक्ष में लगातार दूसरे सप्ताह 0001 नंबर लाखों रुपए में बिका है। पिछले सप्ताह हुई नीलामी में यही नंबर 4.40 लाख रुपए में गया था। यानी दो सप्ताह से लगातार इस नंबर की सबसे ज्यादा डिमांड रही। इस सप्ताह यह नंबर अंकित मुकाती के नाम से अलॉट हुआ है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर निगम सख्त 1 लाख रुपये से ज्यादा का जुर्माना

इंदौर। शहर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग और फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। निगम की अलग-अलग जोन की टीमों ने निरीक्षण कर 1 लाख रुपए से अधिक की चालानी कार्रवाई की। इस दौरान रेस्टोरेंट, शोरूम, इंडस्ट्री, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और रहवासी भवनों की जांच की गई। जोन-4 के वार्ड-13 स्थित संगम नगर के कमर्शियल क्षेत्र में कोकिला रेस्टोरेंट में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं मिलने पर 5 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया गया। संचालक को जल्द सिस्टम लगाने की समझाइश दी गई। जोन-12 के वार्ड-59 में एक भवन पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं मिलने पर 10 हजार रुपए का चालान किया गया। वहीं, जोन-2 के वार्ड-67 में भवन स्वामी पर 5 हजार रुपए की कार्रवाई हुई। बाणगंगा मेन रोड स्थित जोन-1 के वार्ड-10 में एक रहवासी भवन में भी व्यवस्था नहीं मिली, जिस पर निगम ने 5 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया। जोन-17 के वार्ड-19 और 21 में रेन वाटर हार्वेस्टिंग और फायर सेफ्टी की जांच की गई। सुपर सेम इंडस्ट्रीज पर 10 हजार, विश्वास इंडस्ट्री पर 5 हजार, हरिओम प्लास्टिक पर 5 हजार और विकास ट्रेडर्स पर 5 हजार रुपए का चालान किया गया। तीन रहवासी भवनों पर भी कुल 3 हजार रुपए की कार्रवाई हुई। इस क्षेत्र में कुल 28 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

रानी सराय में ही पेड़ों को काट स्टेशन बनाने पर अड़ा प्रबंधन

इंदौर। रानी सराय परिसर के पेड़ों पर बैठने वाले तोतों के आशियाने उजाड़कर मेट्रो स्टेशन बनाए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई। मेट्रो प्रबंधन की ओर से सुनवाई के दौरान फिर दोहराया गया कि तोतों का क्या है, वे आज इस पेड़ पर हैं तो कल उस पेड़ पर। वे कहीं भी उड़कर बैठ जाएंगे। क्या तोतों के लिए इतने बड़े प्रोजेक्ट को रोका जा सकता है। स्टेशन को शिफ्ट किया जा सकता है? हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। मेट्रो प्रबंधन की ओर से सुनवाई के दौरान कहा गया कि रानी सराय परिसर के अलावा मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए दूसरा कोई विकल्प नहीं है। जो तीन विकल्प हैं वे पूरी तरह अव्यावहारिक हैं। रानी सराय के अलावा स्टेशन बनाया गया तो तीन से चार साल का वक्त लगेगा और मेट्रो स्टेशन की लागत भी 400 करोड़ रुपए तक बढ़ जाएगी। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि रानी सराय परिसर केवल तोतों की बस्ती नहीं बल्कि जैव विविधता का बड़ा केंद्र है। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर, जस्टिस जयकुमार पिल्लई की डिविजन बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। पद्मश्री भालू मोंढे ने भी पेड़ों के काटे जाने और एक ही दिन में पेड़ों का सर्वे किए जाने पर आपत्ति ली है।

कॉलेज में पड़ी मशीन चालू करने की संभावना नहीं जांची

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में करीब 8 करोड़ रुपए की नई नेक्स्ट जनरेशन सिक्वेंसिंग मशीन खरीदने के फैसले पर डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया से जवाब मांगा गया है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करते हुए आरोप-पत्र जारी किया है। शासन की आपत्ति यह है कि कॉलेज में 2022 से पड़ी एनजीएस मशीन को दोबारा चालू करने की संभावना नहीं परखी और नई मशीन का प्रस्ताव भेज दिया। दूसरा सवाल मेडिकल डिवाइस रिसर्च यूनिट के तहत केंद्र से मिलने वाले करीब 4 करोड़ को लेकर है। आरोप-पत्र के अनुसार इस राशि की स्थिति स्पष्ट किए बिना राज्य शासन से नई मशीन के लिए करीब 8 करोड़ मांगने का प्रस्ताव भेजा। शासन ने इसे संसाधनों व मौजूद राशि को ध्यान में रखे बिना अतिरिक्त, टाले जा सकने वाले वित्तीय दायित्व की स्थिति बनाने वाला कदम माना है। आरोप-पत्र के अनुसार कॉलेज में 2022 से इलुमिना एमआई-सीक मॉडल की एनजीएस मशीन उपलब्ध है।

इंदौर में भारत-वेस्टइंडीज मैच की तैयारियां पूरी, मौसम भी रहेगा मेहरबान

सुरक्षा में टेक्नोलॉजी का सहारा, फेस रिकग्नाइजेशन से होगी निगरानी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

11 अक्टूबर की शाम होलकर स्टेडियम एक बार फिर भारत और वेस्टइंडीज की भिड़ंत का गवाह बनने जा रहा है। इस बार मुकाबला टी20 इंटरनेशनल का है। मैच रात 7 बजे शुरू होगा और करीब 27,500 दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। ग्राउंड से लेकर दर्शक दीर्घा तक तैयारियां अंतिम दौर में हैं। बाहर दर्शकों की एंट्री को व्यवस्थित करने के लिए रेलिंग लगाई जा रही है, जबकि अंदर कुर्सियों की धुलाई और सफाई का काम जारी है।

सबसे बड़ी राहत मौसम को लेकर है। मौसम वैज्ञानिक आनंद हषार्ना के मुताबिक 8 से 12 अक्टूबर तक बारिश की संभावना नहीं है। तापमान सामान्य से कुछ अधिक चल रहा है, लेकिन न्यूनतम तापमान कम है। मौसम के ड्राई रहने की संभावना है। यानी क्रिकेट प्रेमियों को बारिश के कारण मैच रुकने की चिंता फिलहाल नहीं है। एमपीसीए के सीएओ रोहित पंडित ने बताया कि मैच की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और लगभग सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। अचानक बारिश की स्थिति के लिए भी बैकअप प्लान तैयार है। जरूरत पड़ने पर पूरे ग्राउंड को कवर करने की व्यवस्था रहेगी।



बारिश का खतरा नहीं, अब नजर ओस पर- मैच रात में खेला जाना है, इसलिए बारिश के बाद अब मौसम को लेकर दूसरा सवाल ओस का है। मैच के दौरान तापमान, हवा और नमी की स्थिति गेंदबाजों के लिए अहम रहेगी। मौसम वैज्ञानिक आनंद हर्षाना के मुताबिक फिलहाल बारिश के कोई संकेत नहीं हैं। मानसून का दौर समाप्त हो चुका है और आने वाले दिनों में मौसम के ड्राई रहने की संभावना है।

स्टेडियम के बाहर लग रही रेलिंग- मैच से पहले होलकर स्टेडियम में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बाहर दर्शकों की एंट्री को व्यवस्थित करने के लिए रेलिंग लगाने का काम चल रहा है। मैच के दिन बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचेंगे, ऐसे में प्रवेश द्वारों के आसपास भीड़ को नियंत्रित करना अहम होगा। रेलिंग के जरिए दर्शकों की कतार और आने-जाने के रास्ते को व्यवस्थित किया जाएगा। स्टेडियम के अंदर कुर्सियों की सफाई और धुलाई भी की जा रही है। दर्शकों के लिए जरूरी होगा कि वे टिकट पर दर्ज प्रवेश गेट की जानकारी पहले से देख लें और पर्याप्त समय लेकर स्टेडियम पहुंचें।

छोटी बाउंड्री यानी चौके-छक्कों का मैदान- होलकर स्टेडियम की सबसे बड़ी खासियत इसकी छोटी बाउंड्री है। यहां चौकोर बाउंड्री करीब 56 मीटर और सीधी बाउंड्री करीब 68 मीटर बताई जाती है। बल्लेबाज अगर गेंद को सही टाइमिंग से कनेक्ट करता है तो बाउंड्री तक पहुंचाने के लिए बहुत ज्यादा ताकत की जरूरत नहीं होती। टी20 क्रिकेट में छोटी बाउंड्री का महत्व और बढ़ जाता है। यही वजह है कि होलकर में दर्शकों को तेज रन, बड़े शॉट और लगातार बाउंड्री देखने की उम्मीद रहती है। इस मुकाबले के लिए पिच भी टी20 के हिसाब से तैयार की जा रही है। ऐसे में टॉस के बाद कप्तानों का फैसला महत्वपूर्ण होगा।

27,500 दर्शकों की भीड़ संभालना बड़ी चुनौती

भारत का मुकाबला हो और वह भी इंदौर में, तो स्टेडियम के बाहर भी क्रिकेट का माहौल बनना तय है। करीब 27,500 दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद के चलते सुरक्षा और प्रवेश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुरक्षा जांच में समय लग सकता है, इसलिए आखिरी समय में पहुंचने वाले दर्शकों को परेशानी हो सकती है। दर्शकों को टिकट, निर्धारित गेट और स्टेडियम की एंट्री गाइडलाइन पहले से देखनी चाहिए और मैच शुरू होने से काफी पहले पहुंचना बेहतर रहेगा।

सुरक्षा में पुलिस के साथ टेक्नोलॉजी से निगरानी, 160 सीसीटीवी कैमरे लगे

मुकाबले के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत की गई है। एमपीसीए और स्थानीय पुलिस के साथ टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्टेडियम के अंदर करीब 160 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। आसपास के क्षेत्रों में भी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा फेस रिकग्नाइजेशन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। दर्शकों की एंट्री से लेकर स्टेडियम के अंदर आवाजाही तक पर नजर रखी जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस आपसी समन्वय से काम करेंगी।

त्योहारों से पहले निगम ने व्यवस्थाओं की तैयारी तेज की

पानी बचाने को लेकर चिंता, गरबा पंडालों में भी चलेगा पानी बचाने का संदेश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

त्योहारों के दौरान शहर में बढ़ने वाली भीड़ और आवाजाही को देखते हुए नगर निगम ने व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार को निगम मुख्यालय में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने टीएल बैठक में विकास कार्यों के साथ पानी, सड़क, ड्रेनेज, पार्किंग, रोशनी, अतिक्रमण और आगामी नवरात्रि-दीपावली की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को त्योहारों से पहले जरूरी काम हर हाल में पूरा करने और सभी कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

फूटी कोठी ब्रिज की सर्विस रोड से हटेगा अतिक्रमण- फूटी कोठी ब्रिज की सर्विस रोड पर दुकानों के कारण यातायात प्रभावित होने और दुर्घटना की आशंका को देखते हुए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। प्रमुख सड़कों पर त्योहारों से पहले डामरीकरण और जरूरी मरम्मत कार्य भी पूरे करने को कहा गया।

30 हजार घरों में लगी डिजिटल एड्रेस प्लेट- शहर में अब तक 30 हजार घरों पर डिजिटल एड्रेस प्लेट लगाई जा चुकी हैं। शेष घरों में भी प्लेट लगाने का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए



गए। बैठक में नए सीएनजी प्लांट के लिए जमीन की तलाश कर जल्द लोकेशन तय करने को भी कहा गया।

25 में से 12 स्मार्ट टॉयलेट का काम शुरू- शहर में प्रस्तावित 25 स्मार्ट टॉयलेट में से 12 का काम शुरू हो चुका है। बाकी टॉयलेट का काम भी जल्द शुरू कर तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

गरबा पंडालों में चलेगा पानी बचाने का संदेश- नवरात्रि के दौरान गरबा पंडालों और प्रमुख आयोजन स्थलों पर जल संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वहीं, गर्मी से पहले वॉटर एटीएम और प्याऊ की तैयारी शुरू करने, पानी की गुणवत्ता पर ध्यान देने और नए पानी के टैंकरों की खरीदी की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए।

ड्रेनेज के बाद सड़क का होगा रेस्टोरेशन- अमृत योजना के तहत ड्रेनेज लाइन बिछाने का काम पूरा होने के बाद सड़कों और अन्य स्थानों को पूर्व स्थिति में लाने के निर्देश दिए गए। त्योहारों से पहले प्रमुख सड़कों की मरम्मत और बड़े पंडालों के आसपास जरूरी काम भी पूरे किए जाएंगे।

दीपावली से पहले प्रमुख पोलों पर लगेंगी लाइटें

दीपावली से पहले शहर के प्रमुख पोलों पर लाइट लगाने और शहर की रोशनी व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए गए। नई निगम बिल्डिंग के निर्माण की टाइमलाइन तय कर नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा गया।

पार्किंग व्यवस्था पर भी फोकस

नई पार्किंग व्यवस्था और नए पार्किंग टेंडर के तहत महाराजा कॉम्प्लेक्स और सरवटे बस स्टैंड से जुड़े कामों की समीक्षा की गई। बैठक में सरदार पटेल और अटल प्रतिमा से जुड़े कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली गई।

जोन 13 और 22 के काम जल्द पूरे होंगे

मानव वाटिका सहित जोन 13 और 22 में चल रहे कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए गए। योग सेट के बाकी शेड का निर्माण भी जल्द पूरा करने को कहा गया।

छात्रा की संदिग्ध मौत, दोस्त ने चाकू मारना कबूला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

एमआईजी इलाके में 19 वर्षीय स्कूली छात्रा की बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के दौरान उसके हार्ट पर नुकीली वस्तु से वार किए जाने की बात सामने आई।

मामले में पुलिस ने छात्रा के दोस्त अभिषेक निवासी कुलकर्णी का भट्ठा को हिरासत में लिया है। पूछताछ में उसने छात्रा पर चाकू से वार करने की बात कबूल की है। पुलिस के मुताबिक दोनों के बीच करीब एक महीने से विवाद चल रहा था। मामले की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पुलिस छात्रा की बहन और उसके दोस्त से भी पूछताछ कर रही है।

एमआईजी पुलिस के मुताबिक मृतका वैष्णवी (19) पुत्री रमेश सेन, जगजीवन राम नगर में अपनी बहन कृष्णा, छोटे भाई और मां के साथ किराए के मकान में रहती थी। उसका परिवार मूल रूप से गंगापुर, राजस्थान का रहने वाला है।

कुछ दिन पहले उसकी मां और छोटा भाई राजस्थान चले गए थे। इसके बाद वैष्णवी और उसकी बहन ही घर पर थीं। पुलिस पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि वैष्णवी से उसका करीब एक महीने से विवाद चल रहा था। बुधवार को वह वैष्णवी से मिलने पहुंचा। दोनों के बीच विवाद हुआ और अभिषेक वहां से चला गया। इसके बाद वैष्णवी और उसकी बहन उसके खिलाफ शिकायत करने थाने जाने लगीं। पुलिस के मुताबिक रास्ते में अभिषेक ने दोनों को रोक लिया। इसके बाद कृष्णा के दोस्त निखील ने मोबाइल पर बात कर दोनों को गौरी नगर स्थित अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां अभिषेक और वैष्णवी के बीच फिर कहासुनी हुई। अभिषेक ने बताया कि उसने वैष्णवी को डराने के लिए चाकू से वार किया, जो उसके सीने में लगा। चाकू लगने के बाद तीनों घबरा गए। पुलिस के मुताबिक अभिषेक ने वैष्णवी के जख्म पर हल्दी लगाई। इसके बाद तीनों उसे लेकर पहले वर्मा अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उसे सीएचएल अस्पताल ले जाया गया। वहां से पुलिस को घटना की जानकारी मिली।

लीक हो रहा 1 करोड़ लीटर पानी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इस बार बारिश सिर्फ 23 इंच होने से शहर जलसंकट की दहलीज पर खड़ा है। इसके बावजूद जलूद से इंदौर आने वाली नर्मदा लाइन में रोज करीब 10 एमएलडी यानी एक करोड़ लीटर पानी लीकेज के कारण जंगल में बहकर बर्बाद हो रहा है। यह पानी शहर की तीन पानी की टंकियों को भर सकता है। एक टंकी की क्षमता करीब 30 लाख लीटर पानी की होती है। जलूद से महू के बीच कई जगह लीकेज हैं। ओल्ड बीपी टैंक से जुड़ी 1200 एमएम ग्रेविटी पाइपलाइन में भी पानी ओवरफ्लो होकर जंगल में जा रहा है। निगम अधिकारियों ने कई बार मौके का निरीक्षण किया, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ। जलूद के मेंटेनेंस का जिम्मा रामकी कंपनी के पास है। निगम एक तरफ गर्मी में पानी की उपलब्धता बनाए रखने की तैयारी कर रहा है, वहीं बर्बाद हो रहे पानी को लेकर अफसरों को चिंता नहीं है।

दो अलग-अलग सड़क हादसेः ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर और आसपास के इलाकों में गुरुवार देर रात दो अलग-अलग सड़क हादसे सामने आए। सांवेर-उज्जैन रोड पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तेजाजी नगर बायपास पर दो वाहनों की टक्कर के बाद एक कार डिवाइडर पर चढ़ गई। दूसरे हादसे में कार सवार युवकों को चोटें आई हैं।

ट्रक की टक्कर के बाद बाइक में लगी आग, युवक की मौत

सांवेर-उज्जैन रोड पर रामा फॉस्फेट कंपनी के सामने गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, खातीपुरा, इंदौर निवासी मनीष चौधरी बाइक से सांवेर से इंदौर लौट रहे थे। सांवेर के पास उनकी खेती है और वह खेत का काम निपटाकर घर जा रहे थे।

इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मनीष ट्रक के पहियों के नीचे फंस गए। बाइक सड़क पर घिसटने के दौरान उसमें आग लग गई। गंभीर चोटों के कारण मनीष की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर सांवेर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और बाइक में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद आक्रोशित राहगीरों और स्थानीय लोगों ने ट्रक पर पथराव करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली।

सांवेर थाना पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक जब्त कर लिया है। मामले में मर्ग कायम कर फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

दूसरा हादसा तेजाजी नगर बायपास पर सेज यूनिवर्सिटी के पास गुरुवार देर रात हुआ। यहां एक ट्रक और दूसरी अज्ञात कार की टक्कर के बाद एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे के दौरान कार के एयरबैग खुल गए, जिससे कार सवार युवकों को गंभीर नुकसान होने से बचाव हुआ। हालांकि, दुर्घटना में उन्हें चोटें आईं। घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर तेजाजी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले वाहनों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस दोनों मामलों में आगे की कार्रवाई कर रही है।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने इंदौर में कार्रवाई तेज

गंदगी के बीच बन रहा था केक, आयुष बेकरी का पंजीयन निलंबित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने इंदौर में कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की टीम ने आयुष बेकरी, छोटा बांगड़दा में गंभीर गंदगी और खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने के बाद उसका खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया है।

वहीं गुरुवार को अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए घी और नमकीन के कुल 4 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के निर्देशन और कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में की जा रही है। लिए गए सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण



प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद उसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कचरे के पास तैयार हो रहा था केक- खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने 7 अक्टूबर को छोटा बांगड़दा स्थित आयुष बेकरी का निरीक्षण किया था। टीम को यहां खाद्य पदार्थों के निर्माण परिसर में अत्यधिक गंदगी मिली। बेकरी के बाहर कचरा डंप किया हुआ था और इसी के पास केक का बेस तैयार किया जा रहा था। केक बनाने की प्रिपरेशन टेबल पर चींटियां और मक्खियां भी पाई गईं। निरीक्षण के दौरान बेकरी के फ्रिज और फ्रीजर की सफाई व्यवस्था भी बेहद खराब मिली। टीम ने पाया कि केक बनाने में एक्सपायर्ड चेरी का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मेडिकल फिटनेस और पेस्ट कंट्रोल के दस्तावेज भी नहीं मिले

निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ बनाने वाले कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र और प्रतिष्ठान का पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र भी मौके पर उपलब्ध नहीं मिला। टीम को यह भी जानकारी मिली कि बेकरी में तैयार किए जाने वाले केक की बिक्री आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सेल्समैन के माध्यम से की जाती है। इन गंभीर स्वच्छता संबंधी कमियों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने आयुष बेकरी का खाद्य पंजीयन निलंबित करने के लिए पंजीयन प्राधिकारी को प्रकरण भेजा था। प्रस्ताव पर कार्रवाई करते हुए आयुष बेकरी का खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया गया।

पतंजलि गाय के घी के दो सैंपल लिए- मुख्यालय भोपाल से मिले निर्देश के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने स्कीम नंबर 140 स्थित बालाजी एंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया। यहां से पतंजलि गाय के घी का एक खाद्य नमूना लिया गया है। नमूने को विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। इसके बाद टीम ने भंवरकुआं स्थित शारदा देवी इंटरप्राइजेज का भी निरीक्षण किया। यहां से भी पतंजलि गाय के घी का एक नमूना जांच के लिए लिया गया है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की एक टीम उट हेल्पलाइन पर मिली शिकायत के आधार पर रंजीत के नमकीन, मोती तबेला मेन रोड पहुंची।

खबर एक नजर...

डिजिटल बिहेवियरल टेस्ट से परखी 2223 नवप्रवेशित विद्यार्थियों की क्षमता

उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रथम वर्ष के 2223 नवप्रवेशित विद्यार्थियों की डिजिटल एंट्री लेवल बिहेवियरल संपरीक्षा आयोजित की। विद्यार्थियों ने अपने मोबाइल डिवाइस से इस परीक्षा में हिस्सा लिया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों की मानसिक क्षमता, तर्कशक्ति और समस्या सुलझाने की योग्यता को मापना था। गूगल एनालिटिक्स के जरिए विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का भी गहराई से विश्लेषण किया गया। अब इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर सभी विद्यार्थियों को उन्नत, औसत और धीमी गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों के तीन संवर्गों में बांटा जा रहा है। हर छात्र को बेहतरीन शिक्षा मिले, इसके लिए उनकी क्षमता के अनुकूल शिक्षण पद्धतियां विकसित की गई हैं। राज्य के शिक्षा क्षेत्र में इसे एक अभिनव प्रयास माना जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यह व्यवस्था विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही शोध और नवाचार को भी बढ़ावा देगी, जिससे विकसित भारत 2047 का लक्ष्य अधिक सुदृढ़ होगा।

डिप्टी सीएम के ओएसडी पर 50 लाख लेने का आरोप

भोपाल। करीब 930 करोड़ की ठगी के आरोपी मोहित गोगिया के बयान की एक कॉपी में मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के डरऊदीपम रायचूरा का नाम सीधे तौर पर लिया गया है। बयान में गोगिया ने दावा किया है कि उसे तनुज सेठी ने दीपम रायचूरा से मिलवाया था और बताया था कि वे आबकारी विभाग में सहायक आयुक्त हैं। बयान की कॉपी सोशल मीडिया में भी वायरल हो रही है। कथित बयान के मुताबिक, दीपम रायचूरा ने गोगिया को दीपक दुबे से मिलवाया और बताया कि दीपक उनका पूरा काम देखता है। इसके बाद वर्ष 2024-25 में टीटी नगर में शराब की दो दुकानों का ठेका जसवंत कुमार के नाम पर दिलवाने का दावा किया गया है। बयान में कहा गया है कि यह रकम दीपक दुबे ने शालीमार फोर्ट लेजा स्थित फ्लैट से ली थी।

सीपीसीटी समेत आठ मांगों को लेकर एसीएस को ज्ञापन

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिसम्बर 2027 की स्थिति में पदोन्नति देने और छूटे हुए कर्मचारी अधिकारी को प्रमोट करने के निर्देश के बाद अब पांच साल की क्वालीफाइंग सर्विस में छूट देकर प्रमोशन की मांग की जा रही है। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ ने इसी आधार पर सभी कर्मचारियों, अधिकारियों की नवंबर 2026 में दोबारा डीपीसी करने की मांग सामान्य प्रशासन विभाग से की है। इसके साथ ही मंत्रालयीन कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतनमान स्वीकृत करने संबंधी प्रकरण शीघ्र कैबिनेट में भेजने के लिए भी कहा गया है। मंत्रालयीन अधिकारियों, कर्मचारियों की लंबे समय से पेंडिंग मांगों और समस्याओं को लेकर मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष सुधीर नायक के नेतृत्व में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग शिवशेखर शुक्ल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने सभी लंबित मांगों पर कर्मचारियों का पक्ष रखा।

भाजपा विधायक प्रीतम के बेटे का स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी

ग्वालियर। ग्वालियर में कोर्ट ने शिवपुरी के पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के बेटे दिनेश लोधी का स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। दिनेश लोधी पुरानी छावनी में हत्या के प्रयास के मामले में लगभग दो साल से उपस्थित नहीं हुआ है। लगातार उसके गायब होने और कोर्ट में पुरानी छावनी पुलिस के यह बयान कि आरोपी आवारा किस्म का है। वह कई महीनों में एक या दो बार कुछ समय के लिए ग्वालियर आता है। अपर सेशन न्यायाधीश कपिल सोनी की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए अभियुक्त दिनेश लोधी के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आरोपी जब तक गिरफ्तार नहीं हो जाता, तब तक प्रकरण से जुड़े रिकॉर्ड और जब्त सामान को सुरक्षित रखा जाए। कोर्ट ने सख्त हिदायत देते हुए निर्देश दिया है कि प्रकरण के मुख्य पृष्ठ (टाइटल पेज) पर लाल स्याही से यह स्पष्ट दर्ज किया जाए कि अभियुक्त फरार है। इसके साथ ही यह आदेश भी दिया गया है कि केस रिकॉर्ड और पुलिस द्वारा जब्त की गई संपत्ति को किसी भी हाल में नष्ट न किया जाए।

धूमा बाईपास के वाशिंग सेंटर में आग

सिवनी। सिवनी जिले के धूमा थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे-34 पर धूमा बाईपास के पास स्थित वाशिंग सेंटर में गुरुवार रात अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि वाशिंग सेंटर के अंदर रखा सामान धू-धू कर जलने लगा। सेंटर के अंदर रखे गैस सिलेंडर तक आग की लपटें पहुंचने से हादसे के और गंभीर होने की आशंका बढ़ गई। घटनास्थल के पास ही पेट्रोल पंप मौजूद होने के कारण आसपास के लोगों में भी चिंता का माहौल बन गया। आग की लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और दमकल वाहन को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए।

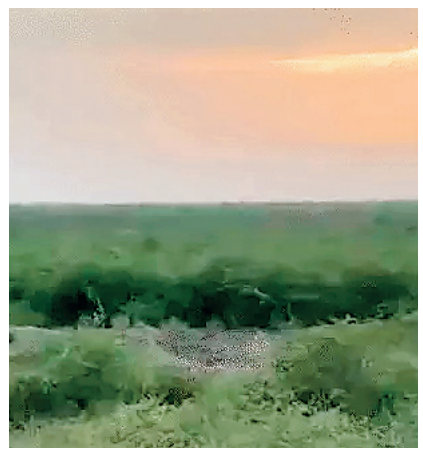
बढ़ती गर्मी, कंक्रीट परेशानी; लोकल लेवल पर जोखिम के हिसाब से तैयारी पर फोकस

मौसमी घटनाओं से 500 मौत, शहर-गांव को खतरा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

साल 2025 में मौसम संबंधी घटनाओं की वजह से मध्यप्रदेश में 537 लोगों की मौत हुई। पर्यावरण और विकास के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की ओर से यह रिपोर्ट जारी की गई है। कहीं गर्मी, कहीं बारिश, कहीं सूखा तो कई जगहों पर भूजल और बोरवेल का दबाव लोगों के सामने चुनौती बनकर आया है। इसका असर लोगों की आजीविका और कमाई पर भी पड़ा है।

अलग-अलग इलाकों की अपनी समस्याएं हैं। ऐसे में वहां की जरूरत के हिसाब से तैयारी भी जरूरी है। इसी को समझने के लिए वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट ने मध्यप्रदेश में जलवायु जोखिमों का अध्ययन किया और उनसे निपटने के उपायों पर रिपोर्ट तैयार की है। रिसर्च में सबसे अहम बात यह सामने आई है। दावा किया गया है कि मध्यप्रदेश में जलवायु जोखिम एक जैसा नहीं है। शहरों में बढ़ती गर्मी और कंक्रीट का विस्तार चुनौती बन रहा है।



वहीं ग्रामीण इलाकों में बारिश का बदलता पैटर्न, सूखा, पानी की उपलब्धता और खेती की बदलती परिस्थितियां बड़ा जोखिम हैं। जंगल वाले क्षेत्रों में आग, पानी और वन आधारित आजीविका पर असर पड़ रहा है। इसी वजह से रिसर्च में जगह के हिसाब से जोखिम की पहचान और उसी के अनुसार समाधान तैयार करने पर जोर दिया गया है। हफ्क की नई हीट रिसर्च में भोपाल का उदाहरण बताता है कि गर्मी का असर शहर के हर हिस्से में एक जैसा नहीं है।

कंक्रीट और कामकाजी आबादी पर दबाव

इंदौर में तेजी से बढ़ता शहरी क्षेत्र, बढ़ती निर्माण गतिविधियां और घनी होती बसाहट गर्मी के जोखिम को बढ़ा रही हैं। खास तौर पर औद्योगिक और कामकाजी क्षेत्रों में बाहर काम करने वाले लोगों के लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने को जोखिम से जोड़ा है। यानी गर्मी का असर सिर्फ तापमान के आंकड़े तक सीमित नहीं है। इसका असर काम के घंटों, उत्पादकता और परिवार की आय तक पहुंच सकता है।

शहर का घना हिस्सा ज्यादा गर्म

ग्वालियर में हफ्क ने शहर के घने निर्मित हिस्से को गर्मी रोकने वाले क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है। घनी इमारतें, सड़कें और कम खुले स्थान गर्मी को लंबे समय तक बनाए रखते हैं। इससे शहर के मध्य हिस्से में गर्मी का संपर्क ज्यादा देर तक बना रह सकता है। यहां भी जोखिम पूरे शहर में बराबर नहीं है।

आधी आबादी को हरियाली का लाभ नहीं- जबलपुर की स्थिति कुछ अलग है। यहां जंगल, खुले क्षेत्र और जलस्रोत शहर को गर्मी से प्राकृतिक राहत देते हैं। इसके बावजूद हफ्क के मुताबिक करीब 49 प्रतिशत आबादी के आसपास गर्मी से राहत देने वाली पर्याप्त हरियाली उपलब्ध नहीं है।

डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी का भोपाल में सम्मान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पं.खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुवेर्दीक महाविघालय भोपाल में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी नाडी विश्लेष्ण 2026 में उज्जैन निवासी डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी एम.डी. आयुर्वेद का सम्मान राज्यपाल महामहीम मंगुभाई पटेल के द्वारा शाल एवं प्रशंसित पत्र देकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में पुरे देश से 100 से अधिक आर्युर्वेद के चिकित्सक उपस्थित थे।कार्यक्रम में डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी के द्वारा जटिल रोग, नाडी विज्ञान एवं सरल समाधान पर करीब एक से ढेडघंटे का अपना उदबोधन भी दिया जिसको सही उपस्थित डाक्टरो के द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम में पुरे प्रदेश के मेडिकल आफिसर, आयुष विभाग के मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, भोपाल सांसद श्री आलोक शार्मा, प्रिसिंपल सेक्रेटरी श्री शोभित जैन, आयुष विभाग के कमिशनर श्री उमा महेश्वरी, शासकीय आयुर्वेद इंस्टीटयूट के प्राचार्य श्री उमेश शुक्ला उपस्थित थे। कार्यक्रम 6 अक्टुबर को भोपाल में संपन्न हुआ है।

विकास प्राधिकरण ने 32 किसानों को बांटा 16 करोड़ का मुआवजा

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन विकास प्राधिकरण (वऊअ) ने बड़ा कदम उठाते हुए 50 किलोमीटर लंबी नई सड़कों के निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा वितरित कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निदेर्शों का पालन करते हुए प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी, सांसद अनिल फिरोजिया व अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में 32 किसानों को आपसी सहमति से करीब 16 करोड़ रुपये की राशि बांटी गई। पारदर्शी तरीके से समय पर मुआवजा मिलने से किसानों में भारी उत्साह देखने को मिला।

व्यवस्था के खिलाफ बड़नगर में कांग्रेस का प्रदर्शन

किसानों और जनसमस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ बड़नगर ।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ दिल्ली में हुए बर्बरतापूर्ण दुर्व्यवहार, लाठीचार्ज और गंभीर रूप से घायल किए जाने की घटना के विरोध में बड़नगर में कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा 'काला दिवस' मनाया गया। इस दौरान सभी कार्यकताओं ने अपने माथे पर काली पट्टी बांधकर केंद्र और राज्य सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

विरोध प्रदर्शन के उपरांत पूर्व विधायक श्री मुरली मोरवाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने बड़नगर विधानसभा क्षेत्र की गंभीर समस्याओं और क्षेत्र को 'सूखाग्रस्त' घोषित कराने की प्रमुख मांग को लेकर रज्ट साहब को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी गई कि यदि जल्द से जल्द किसानों और आम जनता की इन 13 सूत्रीय ज्वलंत समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जवाबदारी शासन और प्रशासन की होगी।



प्रमुख मांगों में सम्पूर्ण बड़नगर तहसील को सूखाग्रस्त घोषित करने, किसानों का 100% कृषि कर्ज माफ करने, ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में अघोषित विद्युत कटौती पर रोक लगाने, सोयाबीन का उचित मूल्य एवं भावांतर योजना के तहत खरीदी शुरू कराने, कृषि उपज मंडी में किसानों की उपज के कम दाम मिलने की समस्या का समाधान, नगर में रुके हुए मार्ग निर्माण व जलभराव की समस्या का निदान, फसल बीमा का लाभ दिलाने, नर्मदा पाइपलाइन से छूटे गांवों को जोड़ने, तथा वाल्मीकि सफाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की 10 सूत्रीय मांगों को पूरा करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने बताया की साथियों, आज बड़नगर की इस पावन भूमि पर हमारे माथे पर बंधी यह काली पट्टी इस बात का प्रमाण है कि देश और प्रदेश में तानाशाही की पराकाष्ठा हो चुकी है। जिस प्रकार से हमारे लोकप्रिय नेता, माननीय कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी, लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी, हमारी नेत्री श्रीमती प्रियंका गांधी जी और क्ठउक्ब्ब्ब

उत्तराखंड में घर खरीदना चाहते थे नाना पाटेकर



बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से गोवा के डोना पाउला में निधन हो गया। उनका उत्तराखंड से भी गहरा जुड़ाव रहा है। सितंबर-अक्टूबर 2022 में चमोली की नीती घाटी में मराठी फिल्म 'ओले आले' की शूटिंग के दौरान वे करीब नौ दिन पहाड़ों में रहे थे।

चमोली की खूबसूरत वादियों, शांत वातावरण और स्थानीय लोगों की सादगी से वे काफी प्रभावित हुए। उन्होंने भविष्य में उत्तराखंड में जमीन खरीदकर घर बनाने की इच्छा जताई थी। शूटिंग के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से पहाड़ी रहन-सहन, वेशभूषा, मौसम और आसपास के तीर्थ-पर्यटन स्थलों के बारे में भी जानकारी ली थी। नाना पाटेकर ने नीती गांव, तपोवन, लाता और मलारी क्षेत्र में फिल्म की शूटिंग की थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, उन्होंने यहां मकान बनाने की बात भी कही थी, जिसके बाद जोशीमठ की तत्कालीन रज्ट कुमकुम जोशी ने उनसे मुलाकात कर स्थानीय सेब और अखरोट भेंट किए थे। इसी दौरान 29 सितंबर 2022 को नाना पाटेकर ने ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन में गंगा आरती में भी हिस्सा लिया था।



पहली फिल्म फ्लॉप, सेट पर हीरोइन बदल दो सुनना पड़ा

फिर बाहुबली से बनीं पैन-इंडिया स्टार; तमन्ना भाटिया बोलीं- सबसे मुश्किल चीज थी टिके रहना

मुंबई की एक स्कूल गर्ल ने 13-14 साल की उम्र में फिल्म साइन की थी। शायद उन्हें भी नहीं पता था कि कैमरे के सामने खड़े होने का यह फैसला उन्हें भारतीय सिनेमा की लंबे समय तक टिकने वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर देगा। शुरूआत आसान नहीं थी। पहली फिल्म नहीं चली, साउथ में नई भाषा और माहौल से जूझना पड़ा। करियर के शुरूआती दौर में उन्हें एक सीन करने में असहजता जताने पर फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया। सेट पर उनके सामने कहा गया- हीरोइन बदल दो।

लेकिन तमन्ना पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अपनी सीमा से समझौता नहीं किया और उस घटना को आत्मविश्वास पर हावी नहीं होने दिया। हैप्पी डेज और कल्लूरी से पहचान मिली, अयान और 100 प्रतिशत लवह्न ने उन्हें मजबूत अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया। 2015 की बाहुबलीः द बिगिनिंग ने उन्हें देशभर के दर्शकों तक पहुंचा दिया। दो दशक से ज्यादा के करियर के बाद तमन्ना सफलता को अवॉर्ड या किसी एक ब्लॉकबस्टर से नहीं, बल्कि लगातार काम और नए किरदार निभाने के मौकों से जोड़ती हैं।

13 साल की उम्र में साइन की पहली फिल्म

तमन्ना भाटिया का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में सिंधी मूल के पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष भाटिया डायमंड मर्चेंट हैं। उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। तमन्ना 13 साल की उम्र से पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं और स्टेज परफॉर्म किया करती थीं। एक्टिंग के हुनर से उन्होंने कम उम्र में पहचान बना ली थी।

2005 में उन्होंने हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहराह्न से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म साइन करते वक्त उनकी उम्र करीब 13.5 साल थी। प्रमोशन के दौरान वह 15 साल की थीं और दसवीं की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद तमन्ना के लिए काम पाना मुश्किल हो रहा था। करियर में बड़े बदलाव के लिए उन्होंने साउथ सिनेमा का रुख किया।

डायरेक्टर-प्रोड्यूसर का कहना था- तुम लड़कों जैसे चलती हो। करियर के शुरूआती दिनों के बारे में तमन्ना ने कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में आए ज्यादा समय नहीं हुआ था। तब एक डायरेक्टर-प्रोड्यूसर ने उनसे कहा था- तुम एक्ट या डांस लड़कों से जैसे करती हो। अपने एक्ट में लड़कियों जैसी लचक लाओ।

तमन्ना ने आगे कहा था- मैं तब भी लड़कियों जैसी ही चलती थी, लेकिन उनके कहने के बाद मैंने और मेहनत की।

हिंदी फिल्म नहीं चली तो साउथ में शुरू हुआ असली संघर्ष

2005 में तमन्ना ने तेलुगु फिल्म श्री से साउथ सिनेमा में एंट्री की और 2006 में तमिल फिल्म केडी में नजर आईं। उस समय वह ऐसी इंडस्ट्री में काम कर रही थीं, जिसकी भाषा और संस्कृति उनके लिए नई थी। तमन्ना ने शुरूआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्हें बस एक्टिंग करनी थी। उन्होंने कहा था कि उस समय सफलता की गणना के बजाय उनका ध्यान काम करते रहने और सीखने पर था। यहां उनका संघर्ष सिर्फ फिल्मों के ऑडिशन या रिजेक्शन तक सीमित नहीं था। उन्हें नई भाषाएं सीखनी थीं, नए निर्देशकों के साथ काम करना था और ऐसे माहौल में खुद को साबित करना था, जहां वह बाहर से आई कलाकार थीं।

शाहरुख खान को जेल से बाहर निकलवाया, प्रोड्यूसर से बर्तन धुलवाए



नाना पाटेकर का गुरुवार को 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा के डोना पाउला स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट आने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। फिर उन्हें करीब 45 मिनट तक उढफ दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

नाना पाटेकर का करीब पांच दशक लंबा फिल्मी करियर रहा। उन्होंने थिएटर से शुरूआत की और बाद में फिल्मों का रुख किया। गमन, अंकुश, परिंदा, क्रांतिवीर, तिरंगा, अब तक छप्पन, अपहरण और वेलकम जैसी फिल्मों में उन्होंने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं।

1 जनवरी, 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के गांव मुरुद-जंजीरा में जन्मे विश्वनाथ गजानन पाटेकर, जिन्हें दुनिया ने नाना पाटेकर के नाम से जाना।

बगावती तेवर वाले नाना बचपन से ही बाकी बच्चों से अलग रहे। समाज की कुरीतियों को कला के माध्यम से दिखाना चाहते थे। इसलिए पहले थिएटर में आए, फिर फिल्मों का रुख किया। नाना अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए भी चर्चा में रहते थे। जब रवि चोपड़ा ने उन्हें रेपिस्ट का रोल ऑफर किया तो उन्होंने गाली दे दी थी। फिल्म परिंदा की शूटिंग के वक्त नाना और फिल्म के डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा भिड़ गए थे।

13 साल की उम्र, दिन में 16 किमी पैदल चलते थे

नाना के पिता टेक्सटाइल पेंटिंग का छोटा सा बिजनेस चलाते थे। नाना जब 13 साल के थे, तभी किसी ने पिता के साथ फ्रॉड कर दिया। रातों-रात बिजनेस चौपट हो गया। सारी प्रॉपर्टी बिक गई। पैसे कमाने के लिए नाना को भी सड़क पर आना पड़ा। वे सुबह स्कूल जाते, शाम में फिल्म के पोस्टर पेंट करते थे। जहां पोस्टर पेंट करते थे, वहां से घर की दूरी 8 किलोमीटर थी। इस तरह दिन में 16 किलोमीटर की दूरी पैदल ही तय करते थे। इस काम के लिए हर महीने 35 रुपए मिलते थे। यह बात 1963 के आस-पास की है। पैसों की इतनी किल्लत थी कि कभी-कभार खाना भी नसीब नहीं होता था। लंच या डिनर टाइम में नाना यूं ही अपने दोस्तों से मिलने चले जाते थे।

दिलजीत का घर समझ लिखे खालिस्तानी नारे

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ के ऑरा इंडिया टूर से पहले उनके गांव दोसांझ कलां में कुछ लोगों ने घर की दीवार पर ह्यखालिस्तान जिंदाबादह्न के नारे लिख दिए। बाद में पता चला कि जिस घर की दीवार पर नारे लिखे गए, वह दिलजीत दोसांझ का नहीं, बल्कि उनके पड़ोसी का है।

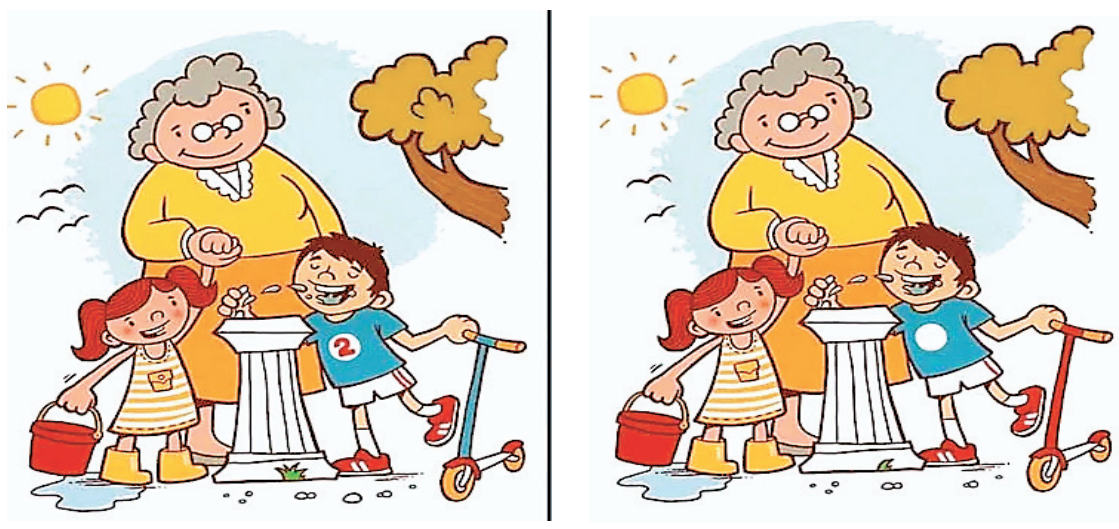
घटना से नाराज पड़ोसी ने कहा कि बिना किसी वजह के उसकी दीवार खराब कर दी। पड़ोसी मुख्तियार ने बताया बुधवार देर रात करीब डेढ़ बजे चार-पांच आदमी दीवार पर कुछ लिख रहे थे, स्प्रे की स्मेल आने पर मेरी नींद खुली, जब मैंने उन्हें डांटा, तो भाग गए।

दिलजीत दोसांझ का 'रुपे ऑरा इंडिया टूर 2026' 1 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हो रहा है। यह टूर 7 प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा। 15 नवंबर को इंदौर, 21 नवंबर को अहमदाबाद, 27 नवंबर को मुंबई, 29 नवंबर को बेंगलुरु और 5 दिसंबर को लखनऊ में कॉन्सर्ट होंगे। इस टूर का आखिरी शो चंडीगढ़ में होना तय हुआ है, लेकिन इसकी अंतिम तारीख की घोषणा अभी बाकी है।

मुख्तियार ने कहा कि स्प्रे की स्मेल अंदर तक आ गई। मेरी नींद खुली तो मैंने उन्हें डांटा। उन्होंने मुंह बांधे हुए थे। इसके बाद वे लोग यहां से निकल गए। जब मैं उठकर देखने गया तो दीवार पर खालिस्तान वगैरह कुछ लिखा हुआ था। नीचे उन्होंने दिलजीत दोसांझ का नाम मेंशन किया हुआ था। उन्हें शायद यह पता नहीं था कि यह दिलजीत का घर नहीं है।

उन्होंने कहा कि मैं दिहाड़ी करने वाला आदमी हूं। ये लोग मेरी दीवार खराब करके चले गए हैं। इस वजह से मेरा पांच से सात हजार रुपए का नुकसान हो गया है। उन्होंने कहा कि दिलजीत का घर अगली ओर रोड पर है। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह पुलिस आई थी और पूछताछ करके चली गई। हालांकि मामले में पुलिस का कहना है कि यह घर मुख्तियार का है। सीसीटीवी कैमरे चेक करवाए जा रहे हैं। इसके बारे में अभी कुछ कन्फर्म नहीं है। कैमरों की जांच करके फिर पूरा पता लगेगा।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



रंग भरकर चित्र बनाओ

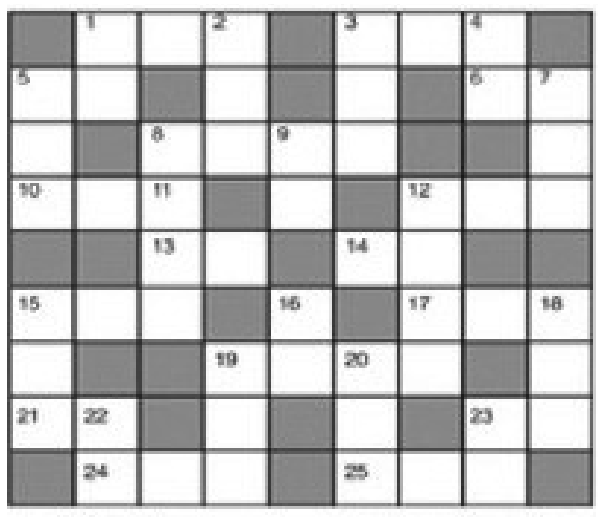


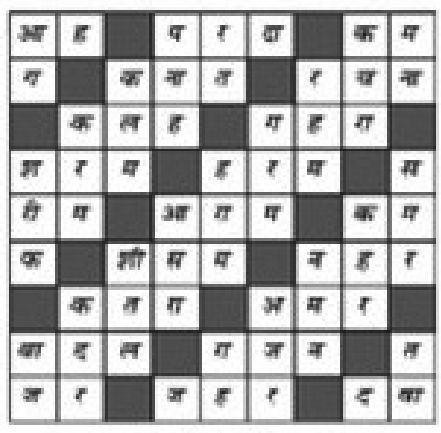
जोक्स

टीचरः कौन सी जाति के लोग अच्छे नागरिक होते हैं ?
छात्रः बनिए !
टीचरः वो कैसे ?
छात्रः क्योंकि सर हर जगह लिखा होता है देश के अच्छे नागरिक बनिए।

मास्टर जीः सबसे ज्यादा नशा किसमें होता है?
छात्रः किताब में
मास्टर जीः कैसे?
छात्रः क्योंकि किताब खोलते ही नींद आ जाती है ??

वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

माथा पच्ची

29		77		47		61	=	120
	■		■		■		■	
68		25		39		13	=	95
	■		■		■		■	
25		5		5		12	=	37
	■		■		■		■	
31		20		44		7	=	49
=	■	=	■	=	■	=	■	=
41		37		47		43	=	13/74

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

अ	व	र	नो	ए	न्ट्री	स	प	ला	मी	क्य
पु	है	क	ज	इं	शे	मे	ह	ई	म	ल
म	क्या	दि	ल	मे	क	ह्न	ड	रा	प	कि
हु	ग	ल	म	ज	ल	स	ग	म	इ	ही
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि
द	जे	कि	र	क	पा	क्य	म	न	रि	या
ली	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती
द	दे	ह्न	रे	न	प	य	यु	पु	व	ला
स	दि	ल	मे	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
खि	ज	लि	ठ	हि	द	ह	म	द	ल	र
त	र	यु	ग	म्ह	त्य	रा	ज	त	र	म

शब्दजाल में 'ईशा देओल 10 फिल्मों के नाम' ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

नो एन्ट्री, दस, प्यारे मोहन, धूम, युवा, इंसान, अनकही, क्या दिल ने कहा, कोई मेरे दिल से पुछे, काल.

अष्टयोग

		3	4	5		
2	23	1	26		40	6
	7		4		6	
4	38		24	4	29	4
		6		2		
6	47	7	35		26	2
7			4	3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

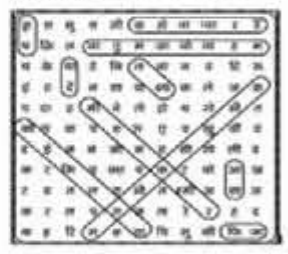
माथा पच्ची का हल

60	-	28	+	6	-	24	=	14
+	■	-	■	x	■	-	■	+
40	+	20	-	5	+	10	=	65
-	■	+	■	-	■	-	■	-
20	x	4	-	20	+	4	=	15
-	■	-	■	x	■	+	■	-
60	+	6	x	2	+	10	=	30
=	■	=	■	=	■	=	■	=
20	+	6	-	20	+	20	=	20/74

अष्टयोग का हल

7	5	3	6	1	2	4
2	31	7	31	4	28	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	29	5	32	7	40	5
6	3	2	4	5	7	1

शब्दजाल का हल



सूडोकु नवताल-

सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

■ वर्ष-12 अंक-336 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

विद्या वितर्को विज्ञानं स्मृतिः तत्परता किया।
यस्यैते षड्गुणास्तस्य नासाध्यमतिवर्तते।।

भावार्थ : ज्ञान, तर्क, विज्ञान, स्मृति, तत्परता और दक्षता, जिसके पास ये छह हैं, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, शुक्रवासरः 09 अक्टूबर, 2026

दुयतं पुस्तकवाद्ये च नाटकेषु च सक्तिता।।
स्त्रियस्तन्द्रा च निन्द्रा च विद्याविघ्नकराणि षट्।।

भावार्थ : खेल में अष्टक, वाडो, नाट्य (बाधा), (पुरुष), तंद्रा और निंद्रा येंद्र शास्त्री में।

सम्पादकीयम्

प्रकृत्याः चेतावनी

उत्तरनेपालस्य रसुवामण्डले बुधवासरे प्रातःकाले आकस्मिकं विनाशकारीं जलप्लावनं कृत्वा भारतस्य कृते जोखिमः वर्धितः अस्ति। उत्तरबिहारस्य पूर्वोत्तरप्रदेशस्य च निम्नक्षेत्रेषु नदीजलस्तरस्य वर्धमानस्य विषये चेतावनीः जारीकृताः सन्ति। एतेषां निम्नप्रदेशानां निवासिनः सुरक्षितक्षेत्रेषु स्थानान्तरिताः भवन्ति। उत्तरनेपाले भोटेकोशीनद्याः आकस्मिकं तीव्रजलप्लावनेन यत् खतरा भवति तत् भारतपर्यन्तं व्याप्तम् अस्ति। नेपालसीमायाः उत्तरप्रदेशस्य बिहारस्य च क्षेत्रेषु अलर्ट् जारीकृतम् अस्ति। अनेकाः प्राणघातकाः, शतशः जनाः अदृश्याः, आधारभूतसंरचनानां च व्यापकं क्षतिः अभवत्। अस्याः आपदातः नेपालस्य पुनः प्राप्तेः कृते बहुकालं यावत् समयः स्यात्। उद्धारः - शताधिकाः भारतीयाः नागरिकाः-ये कैलाश-मंसरोवर-तीर्थयात्रायाः कृते प्रस्थिताः आसन्-लापतानां मध्ये सन्ति इति कथ्यते। एतेषां व्यक्तिनां उद्धाराय, राहतकार्यक्रमाय च नेपालदेशे विशालसहायतायाः आवश्यकता वर्तते। भारतेन स्थितिप्रतिक्रियारूपेण तत्कालं कार्यवाही कृता अस्ति। वर्तमानप्राथमिकता प्रभावितजनपर्यन्तं गन्तुं, खतरे आगन्तुं शक्नुवन्ति क्षेत्राणि सज्जीकर्तुं च अस्ति, तथापि केचन महत्त्वपूर्णाः प्रश्नाः अपि उत्थापनीयाः। स्थगितप्रकल्पाः बिहारस्य कृते एषः अनुभवः किमपि नवीनं नास्ति। सीमापारं उत्पद्यमानाः नद्यः- यथा कोसी, गण्डकः, बागमती, कमला च-राज्ये वार्षिकजलप्रलयस्य प्रमुखकारणानि सन्ति। नेपालस्य पर्वतीयक्षेत्रेषु प्रचण्डवृष्टिः, भूस्खलनं, हिमशैलसम्बद्धाः घटनाः वा उत्तरबिहारे प्रभावं कुर्वन्ति।

पूरकपरीक्षायां एनाटॉमी विषये केवलं एकेन अंकेन असफलः

एमबीबीएस-छात्रः एकस्य अपि अंकस्य राहतं अङ्गीकृतवान् उच्चन्यायालयः दातुं नकारयति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर



पूरकपरीक्षायां एनाटॉमी विषये केवलं एकेन अंकेन असफलः एमबीबीएस प्रथमवर्षस्य छात्रः उच्चन्यायालयात् राहतं प्राप्तुं असफलः अभवत्। न्यायालयेन स्पष्टीकृतं यत् यतः सम्बन्धितनियमेषु अनुग्रहाङ्कप्रदानस्य कोऽपि प्रावधानः नास्ति, तस्मात् न्यायालयः नियमात् व्यभिचार्य छात्राय अतिरिक्ताङ्कान् दातुं विश्वविद्यालयं निर्देशयितुं न शक्नोति। एतेषु आधारेषु न्यायाधीशः आनन्दपाठकः न्यायाधीशः बी.पी.शर्मा च समाविष्टाः संभागपीठेन ग्वालियरस्य गजराराजा चिकित्सामहाविद्यालयस्य छात्रः रामनरेशकुशवाहा इत्यनेन दाखिलां याचिकां खारिजं कृतम्।

छात्रः पुनर्मूल्यांकनेन सह एकं अंकं अन्विषत् प्रकरणं मध्यप्रदेशचिकित्साविज्ञानविश्वविद्यालयं जबलपुरं सम्बद्धम् अस्ति। याचिकाकर्ता रामनरेशकुशवाहा एमबीबीएस प्रथमवर्षस्य छात्रः अस्ति। पूरकपरीक्षायाः समये सः शरीररचनाशास्त्रविषये आवश्यकानि उत्तीर्णाङ्कानि प्राप्तुं असफलः अभवत् सः पासिंग स्कोरात् केवलम् एकेन चिह्नेन न्यूनः अभवत्। तदनन्तरं छात्रः स्वस्य उत्तरपत्रस्य पुनर्मूल्यांकनं कर्तुं उच्चन्यायालयस्य समीपं गतः। एकं अनुग्रहचिह्नं प्राप्य सः उत्तीर्णः इति घोषयितुं अपि सः आग्रहं कृतवान्।

एकस्य अङ्कस्य अभावात् तस्य शैक्षणिकवर्षं संकटग्रस्तं भवितुम् अर्हति इति छात्रस्य पक्षतः तर्कः आसीत्। अतः मानवीयं शैक्षणिकं च दृष्टिकोणं स्वीकृत्य एकस्य अंकस्य राहतं दातव्यम् इति सः प्रतिपादितवान्। अन्यस्य चिकित्सामहाविद्यालयस्य प्राध्यापकस्य मतमपि प्रस्तुतम् याचिकाकर्ता स्वस्य याचनायाः समर्थने भोपालस्य अन्यस्य चिकित्सामहाविद्यालयस्य प्राध्यापकस्य मतमपि न्यायालयस्य समक्षं प्रस्तुतवान्। प्रश्ने प्राध्यापकेन छात्राय एकं अंकं दातुं अनुशंसितम् इति उक्तम्। छात्रः उत्तरपत्रस्य परिणामस्य च विषये स्वस्य आग्रहस्य समर्थनार्थं एतत् मतं आधाररूपेण उपयोक्तुं प्रयतितवान्।

परन्तु उच्चन्यायालयेन एतत् तर्कं राहतं दातुं वैधं आधारं न स्वीकृतम्। न्यायालयस्य समक्षं प्राथमिकः प्रश्नः आसीत् यत् प्रयोज्यविनियमानाम् एतादृशकायार्णां प्रावधानं नास्ति चेदपि विश्वविद्यालयं छात्राय अनुग्रहचिह्नं दातुं निर्देशयितुं शक्यते वा इति। एनएमसी नियमावलीयां अनुग्रहचिह्नानां प्रावधानं नास्ति सुनवायीकाले उच्चन्यायालयेन राष्ट्रियचिकित्साआयोगस्य (एनएमसी) नियमानाम् परीक्षणं कृतम्। विभागपीठिका अवलोकितवती यत् प्रासंगिकविनियमानाम् एतादृशस्थितौ छात्राय अनुग्रहाङ्कप्रदानस्य कोऽपि प्रावधानः नास्ति। यतो हि नियमाः एव अनुग्रहचिह्नप्रदानस्य अनुमतिं न ददति, तस्मात् विश्वविद्यालयाय न्यायालयस्य निर्देशः नियमानुसारं न स्यात् विभागीयपीठिका एतत् बिन्दुं प्रकरणस्य कृते महत्त्वपूर्णं मन्यते स्म। न्यायालयेन उक्तं यत् विश्वविद्यालयं तान् अङ्कान् प्रदातुं निर्देशयितुं न शक्यते ये प्रासंगिकविनियमेषु न प्रदत्ताः सन्ति। छात्रः एकेन अङ्केन असफलः इति एव तथ्यं स्वयमेव अतिरिक्ताङ्कप्रदानार्थं नियमात् व्यभिचारस्य आधारं न भवितुम् अर्हति स्म व्यक्तिगत रायः नियमानाम् अतिक्रमणं न कर्तुं शक्नोति उच्चन्यायालयेन इदमपि स्पष्टीकृतं यत् अन्यस्य चिकित्सामहाविद्यालयस्य प्राध्यापकस्य व्यक्तिगतमतं विश्वविद्यालयस्य प्रयोज्यविनियमानाम्।

राजगढपुलिसः जीरो एफआईआर

आधारेण प्रकरणं रजिस्ट्रेशनं कृत्वा प्रकरणस्य डायरीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

अस्मिन् क्रमे सा गर्भवती इति ज्ञातम्। राजगढपुलिसः 'जीरो एफआईआर' आधारेण प्रकरणं रजिस्ट्रेशनं कृत्वा प्रकरणस्य डायरीं छतरपुरपुलिसं प्रति स्थानान्तरितवान्। छतरपुर पुलिस राजू जातव को गिरफ्तार किया। नाबालिगस्य चिकित्सापरीक्षायां सा प्रायः मासद्वयस्य गर्भवती इति पुष्टिः अभवत्। पश्चात् गर्भपातः कृतः, गर्भः च रक्षितः। डीएनए-परीक्षणद्वारा भ्रूणस्य जैविकपितुः परिचयार्थं अभियुक्तात् रक्तस्य नमूना अपि संगृहीतः। सागरनगरस्य राज्यन्यायिकविज्ञानप्रयोगशाला नाबालिगस्य नालस्य ऊतकस्य, भ्रूणस्य, रक्तस्य च नमूनानां परीक्षणं कृत्वा २०२६ तमस्य वर्षस्य अगस्तमासस्य २९ दिनाङ्के प्रतिवेदनं प्रकाशितवती प्रतिवेदने ज्ञातं यत् राजूजातवः भ्रूणस्य जैविकः पिता नास्ति। उच्चन्यायालयेन छतरपुरपुलिसअधीक्षकं विशेषानुसन्धानदलस्य गठनं कर्तुं निर्देशः दत्तः यत् नाबालिगस्य यौनशोषणं केन कृतवान्, भ्रूणस्य जैविकः पिता कोऽस्ति इति निर्धारयितुं। सुनवायीकाले नाबालिगः अभियोजनपक्षस्य आरोपानाम् समर्थनं न कृतवान्। क्रॉस्-एक्जामिनेशन-अन्तर्गतं सा यत् राजुः तस्याः बलात्कारं न कृतवान् इति। उच्चन्यायालयः अभियुक्तानां जमानतं दातुं न अस्वीकृतवान्।

स्थानान्तरणं अन्यसंस्थायां भवति तर्हि तेषां अध्ययनं न बाधितं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

स्थानान्तरणं अन्यसंस्थायां भवति तर्हि तेषां अध्ययनं न बाधितं भवतु इति अत्यावश्यकं भवति। अपि च, व्यावहारिकप्रशिक्षणे अथवा चिकित्साप्रशिक्षणे यत्किमपि अभावं भवति-यत् तेषां मूलसंस्थायां न प्राप्तं स्यात्- तस्य क्षतिपूर्तिः कथं कर्तुं शक्यते इति सम्बोधयितुं आवश्यकम्। अस्य पक्षस्य श्रवणकाले विशेषं महत्त्वं दत्तम्। अतिरिक्तप्रशिक्षणस्य आवश्यकतायाः विषये चर्चा महाधिवक्ता प्रशांतसिंहः न्यायालयं सूचितवान् यत् एतादृशानां छात्राणां कृते विशेषप्रशिक्षणस्य व्यवस्था आवश्यकी भविष्यति। एएनएम, जीएनएम, बी.एससी., एम.एससी., तथा पीबी.एससी. पाठ्यक्रमाः, अतिरिक्तवर्गाणां प्रशिक्षणस्य।

राशिफल

मेष : आज आपको पैसे कमाने के अन्य स्रोतों के बारे में भी सोचना चाहिए। आपका प्रेम जीवन समृद्ध रहेगा।

वृषभ : आज आप बहुत ज्यादा पैसे नहीं बचा पाएंगे। नियमित रूप से बॉस के साथ हल्की-फुल्की बातचीत करना जरूरी है।

मिथुन : आज आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। गोल्स के बारे में सोचना आपके लिए फायदेमंद होगा।

कर्क : आपका परिवार आज सपोर्ट करेगा। आज टीम वर्क पर फोकस करें। बड़ा हासिल करने के लिए पर्सनल समय का त्याग करना होगा।

सिंह : आज अपने रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने का अच्छा समय है। साथी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेन्ड करें।

कन्या : बचत करने की कोशिश करें क्योंकि यह आपके वर्तमान कमाई के स्तर को बनाए रखने में मदद करेगा।

तुला : आज आपको आर्थिक और भावनात्मक तौर पर सोच-विचार करने की जरूरत है। आगे की एक नई यात्रा के लिए तैयार हो जाइए।

वृश्चिक : आज अपने पार्टनर के साथ उन मुद्दों पर बात करें, जो आपके रिश्ते में समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

धनु : आज आपके सभी काम पूरे होंगे। आपका निजी और व्यावसायिक जीवन संतुलित रहेगा और कुछ नया करने का मौका भी मिलेगा।

मकर : अगर आप अपने रिश्ते को लेकर बहुत गंभीर हैं तो नेक्स्ट लेवल प्लान करने का यह समय शुभ है।

कुंभ : अपने पार्टनर को बेहतर तरीके से जानने के लिए साथ में कुछ अच्छा समय बिताना बेहतर होगा।

मीन : निवेश के अवसरों के लिए यह अच्छा है। स्टॉक एक्स्पर्ट्स के साथ बात-चीत करते समय आपको सतर्क रहने की जरूरत है।

36 की उम्र में फिर टीम इंडिया में वापसी, आईपीएल में 28 विकेट लेकर लौटे पुराने रंग में

भुवनेश्वर ने कैसे बदली रफ्तार और गेंदबाजी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली



तीन साल पहले शरीर ने जवाब देना शुरू किया, तब ट्रेनिंग का तरीका बदला

भुवनेश्वर की वापसी को समझने के लिए 2023 के आसपास लौटना होगा। उस समय तक पीठ, घुटने और टखने की चोटें उनके करियर को प्रभावित कर चुकी थीं। शरीर पर इसका असर उनकी गेंदबाजी पर भी पड़ा। उनकी एक खास ताकत बैकस्पिन थी, लेकिन गेंदबाजी एक्शन में अनजाने बदलाव के कारण उसका असर कम होने लगा। उनके पर्सनल ट्रेनर सूर्य यादव के मुताबिक, शरीर खुद ऐसा एक्शन अपनाने लगा था जिससे पीठ पर ज्यादा दबाव न पड़े। उनका पैर और हिप ज्यादा खुलने लगा था और इसी वजह से गेंदबाजी एक्शन भी ज्यादा ओपन-चेस्टेड हो गया। इसे ठीक करने के लिए पूरे एक साल तक उनके लेग को दोबारा बंद करने और एक्शन को सही दिशा में लाने पर काम किया गया। भुवनेश्वर ने इस दौरान दो लक्ष्य तय किए। फैट कम करना और ताकत बढ़ाना। इसके लिए पिछले तीन साल में उन्होंने हर दिन लगातार सेशन किए।

एक समय ऐसा लगा था कि भुवनेश्वर कुमार का इंटरनेशनल करियर खत्म हो चुका है। पीठ, टखने और घुटने की चोटों ने उनके शरीर पर असर डाला था। 33 साल की उम्र में उनके लिए नई पीढ़ी के तेज गेंदबाजों के बीच वापसी की उम्मीद भी कम नजर आ रही थी। लेकिन भुवनेश्वर ने क्रिकेट छोड़ने के बजाय खुद को दोबारा तैयार करने का रास्ता चुना।

तीन साल तक लगातार ट्रेनिंग, शरीर से फैट कम करने, ताकत बढ़ाने और अपनी गेंदबाजी के पुराने हथियारों को वापस लाने पर काम किया। नतीजा आईपीएल 2026 में दिखा, जहां उन्होंने 16 मैचों में 28 विकेट लिए और फ्च्ड्ड की लगातार दूसरी आईपीएल ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाई। अब उनकी मेहनत का अगला नतीजा टीम इंडिया में वापसी के रूप में सामने आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए 36 साल के भुवनेश्वर को भारतीय टीम में वापस बुलाया गया है। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच भी न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर 2022 में टी-20 था।

आरसीबी से रिश्ता 17 साल पुराना- भुवनेश्वर कुमार का आरसीबी से रिश्ता मौजूदा दौर से कहीं पुराना है। 2009 में उन्होंने चैंपियंस लीग टी-20 के एक मैच में आरसीबी की जर्सी पहनी थी। उसी मुकाबले से उनका टी-20 डेब्यू भी हुआ था। उस मैच में उनके साथ खेलने वाले खिलाड़ियों में आज तक सिर्फ विराट कोहली और मनीष पांडे ऐसे नाम हैं, जिन्होंने 2026 आईपीएल तक खेलना जारी रखा। भुवनेश्वर आईपीएल इतिहास में लगातार दो सीजन पर्पल कैप जीतने वाले एकमात्र गेंदबाज भी हैं। उन्होंने 2016 और 2017 में या कारनामा किया था।

वजन कम नहीं किया, शरीर बदला- फैट 20% से घटकर 13-14%- भुवनेश्वर के बदलाव की सबसे खास बात यह है कि उनका वजन बहुत कम नहीं हुआ। करीब तीन साल पहले उनका बॉडी फैट लगभग 20% था, जो अब घटकर 13-14% रह गया है। उनका वजन करीब 73-74 किलो बना रहा। सूर्य यादव के अनुसार, इसी बदलाव ने भुवनेश्वर को चोटों से बचाने में मदद की। शरीर ज्यादा मजबूत और लीन हुआ और पिछली चोटों पर भी लगातार काम किया गया।

10 किलो के स्क्वाट से 120 किलो तक पहुंचे- भुवनेश्वर के लिए सबसे बड़ा बदलाव स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में आया। शुरूआत में वह भारी वजन उठाने को लेकर घबराते थे। उन्हें डर था कि ज्यादा वजन से चोट का खतरा बढ़ सकता है। सूर्य यादव ने खुद उनके साथ ट्रेनिंग पार्टनर बनने का फैसला किया, ताकि भुवनेश्वर को अकेले वेट ट्रेनिंग न करनी पड़े और वह ज्यादा मेहनत कर सकें। इसका असर कुछ ही समय में दिखने लगा। पहले वह बारबेल पर दोनों तरफ 10-10 किलो, यानी कुल करीब 40 किलो के स्क्वाट करते थे। अब वह खुद 110-120 किलो तक स्क्वाट कर लेते हैं। क्लीन स्नैच जैसे एक्सरसाइज में भी उन्होंने वजन बढ़ाया। पहले करीब 40 किलो तक करने वाले भुवनेश्वर ऑफ-सीजन में 70 किलो तक पहुंच गए। टूर्नामेंट से पहले लोड थोड़ा कम किया गया ताकि शरीर मैचों के लिए तैयार रहे।

रफ्तार वापस आई, फाइनल में करीब 139 किमीप्रतिघंटे की गेंद- फिटनेस का सीधा असर उनकी गेंदबाजी पर पड़ा। आईपीएल 2026 के फाइनल में साई सुदर्शन को आउट करने के लिए भुवनेश्वर ने तेज बाउंसर डाली, जिसकी रफ्तार करीब 139 किमीप्रतिघंटे तक पहुंची। इससे कुछ दिन पहले उन्होंने शुभमन गिल को भी लगभग इतनी ही रफ्तार की गेंद पर बोल्ड किया था। टूर्नामेंट को दो महीने से ज्यादा हो चुके थे, लेकिन भुवनेश्वर के पैरों में अब भी करीब 140 किमीप्रतिघंटे तक पहुंचने की ताकत थी।

ज्योतिष/वास्तु

सर्वपितृ अमावस्या पर बनेंगे कई शुभ संयोग

इन राशियों का खुलेगा भाग्य, बड़ी सफलता के साथ पूरी होगी इच्छा



सर्वपितृ अमावस्या पर ग्रहों-नक्षत्रों की स्थिति का शुभ प्रभाव इन 3 राशियों पर नजर आने वाला है। जातकों को बड़ी सफलता, नौकरी, धन लाभ और निवेश में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या मनाई जाएगी। इसे साल की बड़ी अमावस्या भी कहा जाता है। यह तिथि धार्मिक महत्व के साथ-साथ ज्योतिषीय दृष्टि से भी बेहद खास मानी जाती है। मान्यता है कि इस दिन ग्रहों की स्थिति का शुभ प्रभाव कुछ राशियों के जीवन पर देखने को मिल सकता है। इस साल शनि मीन, सूर्य कन्या और शुक्र तुला राशि में विराजमान रहकर अपनी कृपा बरसाएंगे। इसके अलावा देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में स्थित होकर जातकों को शुभ परिणाम प्रदान कर सकते हैं। वहीं, हस्त नक्षत्र और ऐन्द्र योग का संयोग भी रहेगा। ऐसे में इन शुभ ग्रह स्थिति और संयोगों का प्रभाव 12 में से 3 राशि वालों के लिए बेहद खास रह सकता है। इस दौरान नए लोगों से संपर्क बनेंगे और उनके साथ मिलकर शुरू किए गए काम सफल हो सकते हैं। साथ ही, लंबे समय से अटकी इच्छाओं के पूरा होने के योग भी बन सकते हैं। आइए जानते हैं इन लकी राशियों के बारे में।

कर्क- कर्क राशि वालों को इस दौरान मनचाही सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। नए लोगों से मुलाकात होगी और उनके साथ मिलकर किए गए कामों में तरक्की मिल सकती है। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है और संतान सुख की प्राप्ति के योग बनेंगे। इस समय नौकरी के बड़े अवसर आपको प्राप्त होंगे। कोई सरकारी क्षेत्र से बड़ा अपडेट मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और कई नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी और घर का माहौल खुशहाल रहेगा।

कन्या- कन्या राशि वालों का भाग्योदय हो सकता है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। इस दौरान अचानक आपकी आय में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। इस दौरान कोई गाड़ी खरीदने का सपना आपका पूरा होगा। आर्थिक मामलों में आपको लाभ मिलने के साथ पुराने निवेश या प्रयासों का भी अच्छा परिणाम प्राप्त हो सकता है। विवाह के लिए घर स मंजूरी मिलेगी।

मकर- मकर राशि वालों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। पुराने परिचित या प्रभावशाली लोगों की मदद से किसी महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है। इस दौरान लेन-देन से जुड़े मामलों में आपको अच्छे संपर्कों का लाभ मिल सकता है। करीबियों के साथ अच्छा समय बिताने के अवसर मिलेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार से जुड़े लोगों को भी नए अवसर प्राप्त होंगे। करियर को लेकर सही समय पर लिए गए फैसले आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट के लिए 1 लाख आवेदन

2027 वर्ल्ड कप टिकटों की भारी डिमांड, पूरे टूर्नामेंट के लिए 3 दिन में 10 लाख एप्लीकेशन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली



2027 वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के मुकाबले के लिए टिकटों की भारी डिमांड है। इस मैच के लिए पिछले 3 दिन में आईसीसी के पास 1 लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं। यह मैच जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में होने वाला है। इसकी दर्शक क्षमता 34 हजार है। पूरे टूर्नामेंट के लिए 11 लाख आवेदन किए गए हैं। वहीं 3 लाख 20 हजार से ज्यादा फैंस टिकट बैलेट में रजिस्टर कर चुके हैं। टिकट बैलेट में रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 21 नवंबर है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के लिए 86 हजार से ज्यादा आवेदन- भारत और ऑस्ट्रेलिया के मैच के लिए 86 हजार से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। वहीं 7 नवंबर के प्री-सीडेड सुपर-7 मुकाबले के लिए करीब 78 हजार आवेदन आए हैं। यह मुकाबला तभी भारत (ए1) और पाकिस्तान (ए3) के बीच होगा, जब दोनों टीमें सुपर-7 में पहुंचती हैं।

फाइनल के लिए करीब 69 हजार आवेदन- 21 नवंबर को होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए भी फैंस की दिलचस्पी ज्यादा है। इस मैच के लिए करीब 69 हजार टिकट एप्लिकेशन आ चुके हैं।

तीन देशों में होंगे वर्ल्ड कप के मुकाबले- 2027 वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। यह टूर्नामेंट करीब दो दशक बाद अफ्रीकी महाद्वीप में आईसीसी के बड़े पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट की वापसी होगी।

21 नवंबर तक फ्री में कर सकेंगे आवेदन- टिकट बैलेट में एंट्री के लिए कोई फीस नहीं है। रजिस्ट्रेशन के समय टिकट खरीदने या भुगतान करने की जरूरत नहीं होगी। फैंस अपनी पसंद के कई मैचों के लिए आवेदन कर सकते हैं। एक व्यक्ति हर मैच के लिए एक बैलेट एंट्री कर सकता है। यानी एक ही फैन टूर्नामेंट के अलग-अलग मुकाबलों के लिए आवेदन कर सकता है।

टिकट मिलने का फैसला रैंडम बैलेट से होगा

यह प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर नहीं है। बैलेट विंडो के दौरान किसी भी समय रजिस्ट्रेशन करने वाले फैंस के पास समान अवसर रहेगा। अगर किसी मैच के लिए उपलब्ध टिकटों से ज्यादा आवेदन आते हैं, तो टिकट खरीदने का मौका रैंडम बैलेट के जरिए तय किया जाएगा। जिन फैंस का चयन होगा, उन्हें ईमेल के जरिए टिकट खरीदने की प्रक्रिया की जानकारी भेजी जाएगी। सफल और असफल दोनों आवेदकों को रजिस्ट्रेशन के दौरान दिए गए ईमेल एड्रेस पर परिणाम की जानकारी मिलेगी।

नया फॉर्मेट, सुपर सीरीज से शुरूआत होगी- आईसीसी ने 2027 वर्ल्ड कप का फॉर्मेट बदला है। टूर्नामेंट की शुरूआत सुपर सीरीज से होगी, जिसमें रैंकिंग के आधार पर 12वें, 13वें और 14वें स्थान पर रहने वाली तीन टीमें राउंड-रॉबिन खेलेंगी। तीनों में टॉप पर रहने वाली टीम ग्रुप स्टेज में पहुंचेगी।

टीम इंडिया की सिलेक्शन प्रोसेस में लक्ष्मण शामिल होंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण अब सीनियर सिलेक्शन कमेटी की हर बैठक में शामिल होंगे। यह फैसला मुंबई में हुई बीसीसीआई की समीक्षा बैठक में लिया गया। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा, ह्यलक्ष्मण अब हर सिलेक्शन मीटिंग में रहेंगे। वे खिलाड़ियों की इंजरी या रिहैब की तुरंत जानकारी देंगे, ताकि चयनकताओं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच कोई कम्युनिकेशन गैप न रहे। यह पहला मौका है जब भारतीय क्रिकेट टीम के सिलेक्शन मीटिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख का रहना अनिवार्य किया गया है। लक्ष्मण ने हाल में गुवाहाटी में हुई टी-20 और इंडिया ए की चयन बैठक में हिस्सा लिया था। भारतीय टीम की पिछली 6 सीरीज में 7 ऐसे क्रिकेटरों का चयन हुआ, जो मैच खेलने के लिए फिट नहीं थे। सैकिया ने कहा कि लक्ष्मण इउउक में हेड ऑफ क्रिकेट और उड्ढए प्रमुख हैं। उनके हर सेलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने से चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों की उपलब्धता की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

खबर एक नजर...

तराना अनुभाग के 3 थाना क्षेत्रों में कॉम्बिंग गश्त

उज्जैन। कानून व्यवस्था को बनाये रखने के साथ फरार स्थायी और गिरफ्तार वारंटियों की धरपकड़ के लिये पुलिस द्वारा समय-समय पर कॉम्बिंग गश्त की जाती है। बुधवार-गुरूवार रात तराना अनुभाग में 3 थाना क्षेत्र में रात 11.30 बजे से कॉम्बिंग गश्त की शुरूआत की गई। तराना, माकाडोन और कायथा में रातभर पुलिस घूमती रही। इस दौरान तराना पुलिस द्वारा 6 स्थायी और 10 गिरफ्तारी वारंटियों को हिरासत में लिया। कायथा पुलिस द्वारा 3 स्थायी और 2 गिरफ्तारी वारंटी के साथ माकडोन पुलिस ने 8 स्थायी और 4 गिरफ्तार वारंटियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। तीनों थाना क्षेत्र के 17 स्थायी और 16 गिरफ्तारी वारंटियों को गुरूवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस द्वारा अपराधियों में कानून का भय और आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम रखने के उद्देश्य से कॉम्बिंग गश्त के साथ चेकिंग अभियान चलाया जाता है। यह अभियान आगे भी जारी रखा जायेगा।

फाइल डाउनलोड करते ही खाते से निकले 77 हजार

उज्जैन। महिदपुर जेलरोड स्थित यशवंत मार्ग पर रहने वाले रविश पिता ध्रुव कुमार यादव के मोबाइल वाट्सएप पर 2 अक्टूबर को एपीके फाइल आई थी। रविश ने फाइल को डाउनलोड कर लिया। कुछ देर बाद खाते से 5 हजार 173 रुपए निकलने का मैसेज मिला। वह कुछ समझ पाता उससे पहले 20 हजार 505 और 5 हजार 267 रुपए और निकलने के मैसेज प्राप्त हो गये। रविश ने मामले की शिकायत राज्य सायबर सेल भोपाल को दर्ज कराई। जहां से जीरों पर मामला जांच के लिये महिदपुर थाना पुलिस को भेजा गया। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि मामले में अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। ऑनलाइल खाते से निकले रुपए को लेकर बैंक से जानकारी प्राप्त की पता लगाया जायेगा कि उक्त राशि किसी खाते में और कहा ट्रांसफर हुई है। गौरतलब हो कि ऑनलाइन फ्रॉड के मामले लगातार सामने आ रहे है। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के बाद भी लोगों के खातों से साइबर ठग राशि उड़ाने का काम कर रहे है। हर दिन ऑनलाइन फ्रॉड का मामला सामने आ रहा है।

चंद घंटों में बालिका के परिजनों का लगाया पता

उज्जैन। देवासगेट थाना क्षेत्र में 5 साल की बालिका अकेली भटकती हुई कुछ लोगों को दिखाई दी तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बालिका को अपनी सुरक्षा में लिया और उससे पूछताछ के प्रयास शुरू किये, बालिका ठीक से कुछ बता नहीं पा रही थी। पुलिस ने उसके परिजनों का पता लगाने के लिये बस स्टैंड देवासगेट, मालीपुरा, रेलवे स्टेशन, इंदौर गेट चौराहा, चामुंडा माता चौराहा सहित आसपास के क्षेत्रों में तलाश की गई और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले। इस दौरान पता चला कि बालिका उन्हेल थाना क्षेत्र के ग्राम गुराडिया सांगा की रहने वाली है। पुलिस ने परिजनों से संपर्क के प्रयास शुरू किये। पिता से चर्चा होने पर जानकारी मिली कि बालिका अपनी दादी जस्सू बाई के साथ उज्जैन कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। संभवतः बिछड़ गई है। पुलिस ने परिजनों को उज्जैन बुलाया और तस्दीक के बाद बालिकों को सुपुर्द किया। देवासगेट थाना प्रभारी नरेन्द्रसिंह परिहार ने बताया कि बालिका के परिजनों का पता लगाने में 4 से 5 घंटे का समय लगा। पूरे मामले में प्रधान आरक्षक अवधेश प्रताप सिंह, आरक्षक तरुण दादोरिया, और महिला आरक्षक रमा मंडलोई का सहयोग रहा।

खेत पर बने कुएं से मिला महिला का शव

उज्जैन। शाम को घर नहीं लौटी महिला को परिजन खेत पर तलाश करने पहुंचे तो उसके कुएं में गिरी की जानकारी सामने आई। पुलिस और गांव वालों ने तलाशी अभियान चलाया। करीब एक घंटे बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। घट्टिया थाना क्षेत्र के ग्राम गुराडिया गुर्जर में रहने वाली राधा पति देवीसिंह 40 साल खेत पर गई थी। शाम को घर नहीं लौटी तो परिजन उसे देखने पहुंचे। खेत पर बने कुएं के पास उसकी चप्पल दिखाई दी। कुएं में गिरने की शंका होने पर परिजनों ने गांव वालों के साथ तलाश शुरू की। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पहुंच गई थी। करीब एक घंटे बाद राधाबाई को बाहर निकाला गया। परिजनों ने बताया कि राधाबाई 4 बेटी एक बेटे की मां थी। उसकी एक बेटी दिव्यांग है, जो चल-फिर नहीं सकती है। राधाबाई रोज खेत पर भैंस लेकर जाती थी और शाम को वापस लौट आती थी। बुधवार शाम नहीं लौटती तो उसे देखने पहुंचे थे।

जेसीबी चालक ने पीछे से बाइक सवार को मारी टक्कर

उज्जैन। इंदौररोड वराय होटल के सामने देर शाम बाइक पर सवार शुभम पिता अशोक उपाध्याय निवासी जय भवानी नगर इंदौर को पीछे से तेजगति में आई बिना नम्बर की जेसीबी ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में शुभम घायल हो गया और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। चालक जेसीबी लेकर निकल गया। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने शुभम की शिकायत पर जेसीबी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

दिन	258-2	150-6
मेन बाजार	479-0	234-9
मिलन डे	110-2	469-9
मिलन नाइट	347-4	399-1

1 6 0

भान बडोदिया में बाइक सवारों की बस से हुई भिड़ंत

सड़क हादसे में 2 की मौत, तीसरे की हालत चिंताजनक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



बाइक पर सवार 3 ग्रामीणों की गुरूवार सुबह बस से सीधी भिड़ंत हो गई। हादसा काफी भयावह था, बाइक सवार ओव्हर टेक करने का प्रयास कर रहे थे। तीनों को अस्पताल लाया गया, जहां 2 की मौत होना की जानकारी डॉक्टरों द्वारा दी गई। एक घायल था, जिसे रैफर किया गया, परिजन निजी अस्पताल लेकर गये है।

घट्टिया थाना पुलिस ने बताया कि सुबह 11 बजे के लगभग ग्राम देवनखेड़ी और भान बडोदिया के बीच बाइक और बस के बीच भिड़ंत होने की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची थी। बाइक पर 3 ग्रामीण बुजुर्ग सवार थे, तीनों को गंभीर चोंट लगी थी, उन्हे तत्काल एम्बुलेंस से उज्जैन शासकीय चरक अस्पताल रवाना किया गया। जहां सामने आया कि 2 की मौत हो चुकी है, एक की हालत गंभीर है। दुर्घटना के परिजन सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंच गये थे। जहां सामने आया कि मृतकों में मांगीलाल पिता देवीलाल 60 साल, मनोहर पिता सुखराम 60 साल है। घायल शंकर पिता पन्नालाल 55 साल है। तीनों ग्राम बिसनखेड़ी तराना के रहने वाले है। मृतक देवीलाल के दामाद प्रवीण परमार ने बताया कि तीनों बाइक से उज्जैन गेहूं (बीज) खरीदने आ रहे थे। पुलिस ने दोनों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद चालक बस छोड़कर भाग निकला था, पुलिस के अनुसार बस आंनद ट्रेवल्स की है जिसे जप्त कर चालक की तलाश की जा रही है।

रात 10.30 बजे टकराई बाइक-स्कूटी, 1 की मौत

भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के उन्हेल नाका पर रात 10.30 बजे बाइक और स्कूटी के बीच भिड़ंत हो गई। दोनों वाहनों पर सवार 2 युवक सड़क पर गिर गये। उन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान एक की मौत होना सामने आया। जिसकी पहचान करने पर नाम छोटू पिता हमीद 25 साल निवासी नीलगंगा मल्टी सामने आया है। घायल अज्ञात था, जिसके पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं था। चरक अस्पताल स्टॉफ द्वारा मामले की सूचना भैरवगढ़ थाना पुलिस को दी गई। पुलिस के अनुसार ड्युटी कम्पाउंडर की सूचना पर मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद मृतक और घायल के संबंध में जानकारी सामने आ पायेगी। पुलिस द्वारा घटनास्थल के पास पेट्रोल पंप और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जायेगें।

तीन दिन में पांच की हुई मौत

शहर और आसपास के मार्गो पर तीन दिनों से सड़क दुर्घटना के मामले सामने आ रहे है। गुरूवार सुबह तराना के 2 ग्रामीणों की मौत के बाद शाम को भैरवगढ़ क्षेत्र में एक युवक की मौत हो गई। इससे पहले मंगलवार-बुधवार रात बड़नगर मार्ग चंदूखेड़ी में बाइक सवार जाहिद खान निवासी बडनगर की मौत हो गई थी। उसका साथी वसीम खान घायल हुआ था। उससे पहले सोमवार-मंगलवार रात दरगाह मंडी चौराहा पर बापूनगर के रहने वाले दीपक सोनी की दर्दनाक मौत हो सामने आया था और उसका साथी आकाश सूर्यवंशी घायल हुआ था। शनिवार-रविवार रात कायथा में हुई दुर्घटना के दौरान रामेश्वर पिता गोकुल नायक की मौत हो गई थी और पुत्र निकुंज घायल हुआ था।

गिरफ्त में ट्रेन के एसएलआर को निशाना बनाने वाली गैंग

रेलकर्मी बनकर दिव्यांग कोच में होते थे दाखिल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



चलती ट्रेन के लालगेज डिब्बों (एसएलआर) में चोरी की वारदात करने वाली गैंग को आरपीएफ की टीम ने सूरत आरपीएफ और मुंबई मंडल के साथ मिलकर गिरफ्तार किया है। गैंग के एक सदस्य को उज्जैन लाया गया है। 2 का भुसावल कोर्ट से प्रोटेक्शन रिमांड जारी कराया गया है।

आरपीएफ निरीक्षक नरेन्द्र यादव ने बताया कि 19 सितंबर को अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस के एसएलआर को कटर से काटकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी के पार्सल चोरी होना की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान मुंबई मंडल की एक ट्रेन में भी जी रेडीमेड लेडीज गारमेंट्स के चोरी होने की जानकारी सामने आई। वारदात करने वालों का पता लगाने के लिये सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गये और सूरत आरपीएफ क्राइम ब्रांच के साथ मुंबई मंडल की टीम बनाई गई। जिसमें तीनों टीमों को अलग-अलग सफलता मिली। उज्जैन आरपीएफ को बिहार के मुंगेर से मोहम्मद जाहिद को गिरफ्तार किया गया। उसके 2 साथी मोहम्मद विक्की निवासी लक्की सराय और अनिल पटेल निवासी वाराणासी को भुसावल में गिरफ्तार किया गया। उज्जैन आरपीएफ की गिरफ्त में आये मोहम्मद जाहिद को रिमांड पर लिया गया है। वहीं भुसावल कोर्ट से दोनों आरोपियों का प्रोटेक्शन रिमांड जारी कराया गया है। दोनों को भी जल्द उज्जैन लाया जायेगा। आरोपी जाहिद से पूछताछ में सामने आया कि वह पांच साथियों के साथ वारदात करते थे। गैंग का सरगना अनिल पटेल है। उन्होने अहमदाबाद से भुसावल जाने वाली ट्रेन के एसएलआर में 22 सितंबर को भी चोरी की थी। आरपीएफ निरीक्षक नरेन्द्र यादव के अनुसार गैंग को गिरफ्तार करने में एसआई यशपालसिंह, एएसआई साजिद हुसैन, प्रधान आरक्षक कमलसिंह और राजाराम यादव की भूमिका रही है।

गैंग में अलग-अगल सदस्य शामिल- बताया जा रहा है कि गैंग का सरगना अनिल पटेल पूरी रैकी करता था उसके बाद गैंग में अलग-अलग सदस्यों को लेकर रेलवे कर्मचारी बनकर चढ़ता था। गैंग अंतराष्ट्रीय स्तर पर चोरी को अंजाम देती थी। सरगना की निशानदेही पर वाराणसी के गोदाम से चोरी किए गए 5.60 लाख रुपये से अधिक के रेडीमेड लेडीज गारमेंट्स और एक अन्य चोरी में करीब 1.50 लाख रुपये की आर्टिफिशियल ज्वेलरी बरामद हुई है। आरोपियों से पूछताछ में कुछ ओर चोरियों को सुराग मिल सकता है।

बेटरी वाले कटर से काटते से डिब्बा

एसआई यशपालसिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह रेलवे कर्मचारी बनकर ट्रेनों के दिव्यांग कोच में चढ़ते थे। उनकी ड्रेस कर्मचारियों के जैसी होती थी और फर्जी आई कार्ड भी लगे रहते थे। वह मेंटेनेंस के नाम पर काम शुरू करते थे, जिसके चलते यात्रियों को शंका नहीं होती थी। वह एसएलआर में 2 बाय 2 का बेटरी वाले कटर से सुराग बनाते थे और गैंग का एक सदस्य अंदर जाकर सामान बाहर निकालता था। उसके बाद बीच रास्ते में ट्रेन से उतर जाते थे।

डंडे का खौफ देख उछलते दिखे गोली चलाने वाले बदमाश



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

रंजीश के चलते गोली चलाकर भागे 2 बदमाशों को पुलिस ने बुधवार-गुरूवार रात गिरफ्तार कर लिया। दोनों को घटना की तस्दीक के लिये घटनास्थल ले जाया गया तो कानून के डंडे का खौफ देख उछलते कूदते दिखाई दिये। पुलिस ने क्षेत्र में उनकी दहशत को कम करने के लिये जुलूस निकाला।

माधवनगर थाना क्षेत्र के वाल्मिकी नगर में खरे परिवार के घर पर मंगलवार-बुधवार रात 2 बदमाशों ने दहशत फैलाते हुये गोलियां चलाई थी। बदमाश खरे परिवार के पुत्र सुजल खरे का धमकाने आये थे। सुजल के पिता सुनील खरे की शिकयत पर गोली चलाने वाले साहिल पिता संतोष निवासी अशोकनगर और सचिन पिता मोहनलाल निवासी गढ़कालिका मार्ग जानकीनगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। बदमाशों को गोली चलाते सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। दोनों की सुजल खरे से पुरानी दुश्मनी थी, जिसके चलते दहशत फैलाने के लिये फायर किया था। पुलिस दोनों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। बुधवार-गुरूवार रात दोनों को विक्रमनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। दिनभर पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर पिस्टल बरामद की गई है। दोनों को दोपहर बाद घटना की तस्दीक और भागने वाले रास्तों की जानकारी जुटाने के लिये वाल्मिकी नगर ले जाया गया। जहां उनकी दहशत गर्दी कम करने के लिये जुलूस निकाला गया। पुलिस द्वारा जुलूस निकालने के साथ बदमाशों को कानून के डंडे का खौफ दिखाया गया। दोनों बदमाश डंडे के सामने उछलते-कूदते दिखाई दिये। दोनों के खिलाफ पूर्व में अपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आये है। माधवनगर टीआई गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि दोनों को शुक्रवार दोपहर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जायेगा।

रंजीश को लेकर वाल्मिकी नगर में किये थे हवाई फायर

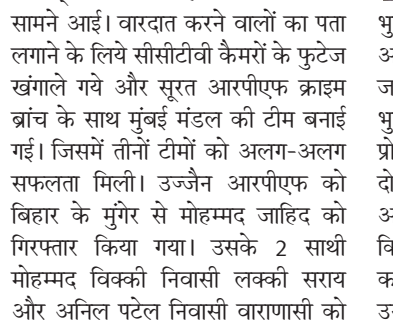
फांसी लगाकर युवक ने समाप्त की जीवनलीला

उज्जैन। मेडिकल का व्यवसाय बंद कर चुके युवक ने गुरूवार दोपहर को फांसी लगाकर अपने जीवन का अंत कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराया है। फांसी लगाने से पहले युवक ने सुसाइड नोट लिखा था। जिसमें आत्महत्या की वजह नहीं बताई है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि तिरूपति प्लेटिनम कालोनी में रहने वाले राहुल पिता सूरज डोहरिया द्वारा अपने घर में फांसी लगाने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। युवक को फंदे से उतारा गया और जांच शुरू की गई। इस दौरान सुसाइड नोट मिला। जिसमें लिखा किसी पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं था बस लिखा था कि मैं जा रहा हूं भैय्या मम्मी पापा का ध्यान रखना। पुलिस ने सुसाइड नोट जप्त कर शव पोस्टमार्टम के लिये पहुंचाया और मर्ग कायम किया। परिजनों से पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि नानाखेड़ा पर मेडिकल चलाता था। कुछ माह पहले मेडिकल बंद कर दिया था और राजस्थान चला गया था। जहां इवेंट मैनेजमेंट का काम करने लगा था। लेकिन वहां से वापस लौट आया था। पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टता मामला आत्महत्या का सामने आया है। फांसी लगाने की वजह सुसाइड नोट से स्पष्ट नहीं हो पाई है। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के बाद परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू की जायेगी।

जंतर-मंतर से पंचमुखी हनुमान सड़क निर्माण कार्य

धीमी गति का काम, ठेकेदार पर 5 लाख रूपए पेनल्टी



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ महापर्व-2028 के तहत पंचमुखी हनुमान से जंतर-मंतर मार्ग निर्माण के काम में धीमी गति पाए जाने पर गुरूवार को निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने नाराजगी जताई। कार्यस्थल पर अपेक्षित संख्या में अतिरिक्त श्रमिक नहीं लगाए जाने पर उन्होंने संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए हैं।

लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से 930 मीटर लंबे इस मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किए जाने का कार्य प्रचलित है। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व के लिए शहर में किए जा रहे प्रत्येक निर्माण कार्य की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में कार्य की गति धीमी रखने अथवा निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं करने की स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को भी नियमित रूप से कार्यस्थलों का निरीक्षण कर प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि कार्य की निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की वृद्धि स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्य में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध पेनल्टी की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त ने निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए

यहां भी पहुंचे निरीक्षण को

निगम आयुक्त श्री मिश्रा द्वारा अमृत-2 योजना अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने सर्वप्रथम डी-मार्ट से सिकंदरी एसआर-4 मार्ग का निरीक्षण किया गया। लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से 1.5 किलोमीटर लंबे मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किए जाने का कार्य प्रचलित है। यहां से वे जीवनखेड़ी-सिकंदरी एमआर-21 मार्ग का निरीक्षण करने पहुंचे। लगभग 36 करोड़ रुपए की लागत से 2 किलोमीटर से अधिक लंबे मार्ग को 30 मीटर चौड़ा किए जाने का कार्य किया जा रहा है।

कार सवार युवकों के पास मिली हजारों की शराब

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कार से अवैध शराब लेकर आने की खबर मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी की और कार को रोक लिया। कार की डिक्की में देशी शराब की 7 पेटी रखी होना पाई गई। कार सवार 3 युवकों को हिरासत में लिया गया है।

चिमनगंज थाना प्रधान आरक्षक मंगल टैगोर ने बताया कि सूचना मिली थी कि कार से कुछ युवक अवैध शराब लेकर गरोठ ब्रिज से ढांचा भवन आने वाले है। सूचना पर प्रधान आरक्षक कपिल राठौर, आरक्षक दीपक दीनकर और टीम के साथ गरोठ ब्रिज कार्मल स्कूल की ओर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी की गई। कुछ देर में कार आती दिखाई दी तो उसे रोका गया। उसमें 3 युवक सवार थे। तीनों को हिरासत में लिया गया और तलाशी ली गई तो डिक्की में रखे देशी शराब की 7 पेटी बरामद हो गई। जिसकी कीमत 35 हजार रुपए थी। कार के साथ शराब जप्त की तीनों को थाने लाया गया। जहां पूछताछ में एक का नाम जितेन्द्र उर्फ जीतू पिता कमल कैथवास निवासी वैकुंडधाम मक्सीरोड, दूसरे का सौरभ पिता राजेश श्रीवास धन्नालाल की चाल और तीसरे का नाम रवि पिता दिनेश बैरागी निवास हीरामिल की चाल सामने आये। तीनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया और न्यायालय में पेश किया गया। जहां से 2 को जेल भेजकर जितेन्द्र उर्फ जीतू को रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने कबूल किया कि शराब देपालपुर से लेकर आये थे। प्रधान आरक्षक टैगोर के अनुसार अवैध शराब से जुड़े अन्य साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं पता लगाया जा रहा है कि शराब कहां ठिकाने लगाने वाले थे।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com